www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
29 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 198 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सड़क हादसा: 300 फीट गहरी खाई में गिरी इको वैन, 8 की मौत, 5 घायल

रिखणीखाल-सतपुली मोटर मार्ग पर कलवाड़ी गांव के समीप हुआ हादसा



दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल ब्लॉक में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रिखणीखाल-सतपुली मोटर मार्ग पर कलवाड़ी गांव के पास सवारियों से भरी इको वैन अनियंत्रित होकर करीब 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन चालक समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। मृतकों में सात महिलाएं शामिल हैं। सभी महिलाएं भंगलवाड़ गांव की रहने वाली थीं और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई थीं। शनिवार को महिलाएं सिद्धखाल बाजार में स्वयं सहायता समूह की बैठक और जरूरी काम के लिए गई थीं। काम निपटाने के बाद सभी इको वैन से अपने गांव भंगलवाड़ लौट रही थीं। इसी दौरान कलवाड़ी गांव के पास अचानक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वैन गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रिखणीखाल पुलिस, राजस्व पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। एसडीएम लैंसडौन शालिनी मौर्य और एएसपी मनोज ठाकुर ने भी घटना स्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। स्थानीय लोगों की मदद से खाई में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला गया। चार घायलों को एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रिखणीखाल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान एक महिला ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल शकुंतला देवी समेत एक अन्य घायल को एयर लिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया।

हादसे में इन आठ लोगों की हुई मौत

पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान इस प्रकार हुई है:
- अनिल देवराड़ा (48), पुत्र जयानंद, वाहन चालक।
- कांती देवी (45), पत्नी दिनेश चंद्र।
- रेखा देवी (42), पत्नी प्रेम सिंह।
- सुमित्रा देवी (50), पत्नी रमेश सिंह।
- सुनीता देवी (45), पत्नी मदन सिंह।
- धनेश्वरी देवी (46), पत्नी किशन चंद्र।
- सरोजनी देवी (38), पत्नी मोहन सिंह।
- रजनी देवी (25)।

हादसे में पांच लोग घायल

इस दर्दनाक हादसे में भंगलवाड़ गांव के पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों की पहचान शशि देवी (35), शकुंतला देवी (45), जगदीश सिंह (36), उनकी पत्नी सत्यवती देवी (36) और 11 वर्षीय बेटी तनिशा के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। एक साथ आठ लोगों की मौत से भंगलवाड़ गांव में मातम पसरा हुआ है।

स्वयं सहायता समूह की बैठक से लौट रही थीं महिलाएं

गौरतलब है कि शनिवार को रिखणीखाल-सतपुली मोटर मार्ग पर कलवाड़ी गांव के पास एक इको वैन अनियंत्रित होकर करीब 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी थी।

हादसे के वक्त वाहन में चालक समेत कुल 13 लोग सवार थे। दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसे का शिकार हुई सातों महिलाएं भंगलवाड़ गांव की रहने वाली थीं और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थीं। सभी महिलाएं सिद्धखाल बाजार में समूह की बैठक और अन्य जरूरी काम निपटाकर इको वैन से अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान रिखणीखाल से करीब 25 किलोमीटर आगे कलवाड़ी गांव के पास यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे के बाद पुलिस, राजस्व पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

सड़क हादसे पर पीएम मोदी और सीएम धामी ने जताया दुःख

कोटद्वार : रिखणीखाल क्षेत्र के कलवाड़ी में हुए भीषण सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दुःख जताया है। प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वही, हादसे में घायल लोगों को 50-50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है। इस दुःखद घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

विपक्ष की बैठक: खरगे बोले- चुनाव आयोग को परिसीमन का जिम्मा मिलना अस्वीकार्य

सरकार सीट बढ़ाकर सत्ता चाहती है



ज्ञानेश कुमार के रहते गोलमाल हो सकता है। जिसे चाहें जनरल बनाएंगे, जिसे चाहे रिजर्व बनाएंगे। ये परिसीमन में कुछ भी कर सकते हैं। वे निष्पक्षता से आरक्षण लागू करने के लिए ज्ञानेश तैयार नहीं हैं। पूरा सत्ता अपने हाथ में लेने के लिए वे मजबूती से काम कर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। इसमें संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर चर्चा की। साथ ही सरकार के संभावित कदम के खिलाफ साझा रणनीति तैयार की।बैठक शनिवार सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित खरगे के 10, राजाजी मार्ग आवास पर हुई। इसमें विपक्षी दलों के इंडिया गुट के सभी घटक दलों के फ्लोर लीडर्स शामिल हुए। इसके अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों डीएमके, आम आदमी पार्टी (आप),बीजू जनता दल (बीजद) और शरद गुट से कोई नेता भी शामिल नहीं हुआ।

बैठक के बाद से मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि आज इंडिया अलायंस के सभी नेताओं ने मिलकर तय किया है कि जो मोदी सरकार की तरफ से जो संविधान संशोधन विधेयक लाया जा रहा है, वह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। यह लोकतंत्र को खत्म कर के पूरी सत्ता अपने हाथ में लेने के लिए इन्होंने आज 800 पार का नारा दिया है। 400 पार का नारा तो खत्म हो गया। अब 850 से ज्यादा सीटें कर के सत्ता अपने पास लेना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भारत चीन जैसा बन जाएगा, जहां बहुमत हासिल करने के लिए हजारों लोग एक साथ हाथ उठाते हैं। उन्होंने दावा किया, "वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं और सरकार को हमेशा के लिए भाजपा/आरएसएस के हाथों में सौंपना चाहते हैं। मनुस्मृति लागू की जाएगी, यह तय है।" खरगे ने यह भी कहा कि इससे पहले भी भाजपा ने इस बिल को पास कराने की कोशिश की थी, लेकिन विपक्ष की एकजुट कोशिशों के कारण वे नाकाम रहे।खरगे ने सरकार पर क्या आरोप लगाया? ये अनुसूचित जाति और जनजातियों का ध्यान नहीं है, उनके साथ नाइंसाफी है। मैं आपको पढ़कर इसके नुकसान बताऊंगा। 2026 की जनगणना आने वाली है।

मुंबई एयरपोर्ट पर ₹39.8 करोड़ की ड्रग्स और 1.57 करोड़ का सोना पकड़ाया, 9 गिरफ्तार



मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने अलग-अलग कार्रवाई में करीब 39.8 करोड़ रुपए की ड्रग्स और सोना जब्त किया है। इन मामलों में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 27 नवंबर को एक यात्री के पास से 5 किलो केटामाइन मिला, जो बैंकॉक जा रहा था। पूछताछ के बाद एक घर से 7 किलो और केटामाइन बरामद हुआ। इस मामले में कुल 12 किलो ड्रग्स पकड़ाई, जिसकी कीमत करीब 36 करोड़ रुपए बताई गई है। इसके अलावा बैंकॉक से आए दो यात्रियों के पास से 6.5 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा (करीब 2.27 करोड़ रुपए) और पांच यात्रियों से 1,443 ग्राम 24 कैरेट सोना (करीब 1.57 करोड़ रुपए) जब्त किया गया। ड्रग्स के मामलों में आरोपियों पर NDPS एक्ट और सोने के मामले में कस्टम एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सभी मामलों की जांच जारी है। असम में नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (NFR) के लुमडिंग-बदरपुर रेल सेक्शन पर शनिवार को एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया। यह पहाड़ी इलाके का सिंगल लाइन रेल मार्ग है, जिससे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। हादसे के बाद शनिवार को चलने वाली 11 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, जबकि 4 ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही रोक दिया गया।

राष्ट्रपति ने लोकसभा में विचार की सिफारिश की

अब संसद में बढ़ेगा बिल, अगला कदम क्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परिसीमन (दूसरा) विधेयक, 2026 पर लोकसभा में विचार करने की सिफारिश की है। 30 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में सरकार इस विधेयक को पेश कर सकती है। इसके तहत लोकसभा और विधानसभाओं में 50 फीसदी सीटें बढ़ाने, राज्यों की मौजूदा हिस्सेदारी 2051 तक बनाए रखने और 2011 की जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय करने का प्रस्ताव है। लोकसभा में परिसीमन से जुड़े नए विधेयक को लेकर संसदीय प्रक्रिया आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परिसीमन (दूसरा) विधेयक, 2026 पर सदन में विचार करने की सिफारिश की है। लोकसभा सचिवालय की ओर से शनिवार, 28 नवंबर को जारी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी गई है। यह सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 117(3) के तहत की गई है। इसके साथ ही परिसीमन की दिशा में दूसरा कदम बढ़ाया गया है। पहले शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी, अब राष्ट्रपति ने भी सिफारिश कर दी है।



लखनऊ में वकीलों के चैंबर पर कल चलेगा बुलडोजर



लखनऊ(एजेंसी)। जिला कचहरी के आसपास वकीलों के अवैध चैंबर पर रविवार सुबह से फिर ध्वस्तीकरण शुरू होगा। नगर निगम की टीम बुलडोजर से यह कार्रवाई करेगी। मौके पर पुलिस प्रशासन के साथ में सुरक्षा व्यवस्था के लिए नगर निगम का ETF बल भी मौजूद रहेगा। जिला प्रशासन और पुलिस बल के आला अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। फायर फाइटर्स की भी मौके पर मौजूदगी रहेगी। नगर निगम जोन 1 के जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि सर्वे किए गए अवैध निर्माण में अभी 106 संपत्ति बची हुई हैं। ये अतिक्रमण कर बनाई गई हैं। यहां पर कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले 25 अक्टूबर को हुई कार्रवाई में 100 अवैध निर्माण तोड़े गए थे।बीते 25 अक्टूबर को लखनऊ के जिला कोर्ट में वकीलों के चैंबरों पर नगर निगम ने बुलडोजर चलाए थे। इसका वकीलों ने विरोध किया। पहले वे सड़क पर बोरी बिछाकर बैठे, फिर नारेबाजी करते हुए खड़े होकर उग्र हो गए थे। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाया। कार्रवाई के बाद वकीलों का गुस्सा बढ़ गया था। इस दौरान ध्वस्तीकरण में लगे एक बुलडोजर को रोककर वकील उसके ऊपर चढ़ गए थे। पहियों के सामने लेट गए थे।

दिल्ली में पकड़ा गया लश्कर आतंकी: कौन है उमर, कैसे रच रहा था साजिश



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक संदिग्ध को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आतंकी गतिविधि से जुड़ा हुआ था और दिल्ली-एनसीआर में आतंकी साजिश रच रहा था। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी पर दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की है। संदिग्ध के तार गुजरात के वडोदरा में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल और पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स से जुड़े हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिये युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने और उन्हें आतंकी नेटवर्क में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। फिलहाल स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर नेटवर्क की अन्य कड़ियां खंगाल रही हैं।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय खुफिया एजेंसियां आरोपी की ऑनलाइन गतिविधियों पर काफी समय से नजर रख रही थीं। इनपुट पुख्ता होने के बाद उसे स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी व्हाट्सएप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम पर उमर नाम से सक्रिय था। वह सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित लोगों के संपर्क में था। आरोप है कि वह दूसरे युवाओं को भी अपने प्रभाव में लेकर आतंकी संगठन से जोड़ने का प्रयास कर रहा था। आरोपी के मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजा गया है। शुरूआती पड़ताल में मोबाइल में पाकिस्तान में बैठे कथित हैंडलर्स के नंबर मिले हैं। ये नंबर बॉस, जट्ट साहब और डॉक्टर जैसे नामों से सेव किए गए थे। एजेंसियों को आशंका है कि इन हैंडलर्स के

बाराबंकी में ड्राइवर-कंडक्टर जिंदा जले



बाराबंकी (एजेंसी)। शनिवार सुबह किसान पथ पर स्क्रैप लदा ट्रक आगे चल रहे ट्रक में घुस गया। टक्कर के बाद उसके केबिन में आग लग गई। हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर जिंदा जल गए। आग से पूरा केबिन जलकर राख हो गया।सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे में आग बुझाई। इसके बाद केबिन की तलाशी में दो लोगों के जले हुए शव मिले। हादसा बाराबंकी जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर माती इलाके में सुबह 9:30 बजे हुआ। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हादसे के समय ट्रक के केबिन में कुल कितने लोग सवार थे। मौके पर पहुंचे सीओ सिटी आफताब आलम ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। केबिन में सवार लोगों की संख्या और घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं।हादसे के बाद मौके पर पहुंचे एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि किसान पथ पर एक ट्रक (UP21 CT 9128) पहले से खड़ा था, जो खराब हो गया था। उसमें बोरियों में अनाज लदा है। ट्रक के पीछे रेडियम का कोन भी रखा था ताकि लोग आसानी से देख लें।

अखिलेश का भाजपा पर तीखा हमला- मुरझाए कमल को खिलाने के लिए लगा रही राधे-राधे का नारा

परिसीमन पर भी घेरा



संभल(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संभल में भाजपा पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। भाजपा प्रदेश को खोना नहीं चाहती, लेकिन जनता के बीच उसकी पकड़ कमजोर पड़ रही है। अब तक भाजपा की ओर से बनाए गए किसी भी राजनीतिक नैरेटिव का जनता पर खास असर नहीं हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब कमल मुरझा गया है तो उसे दोबारा खिलाने के लिए भाजपा अब 'राधे-राधे, कमल खिला दे' का नारा लगा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को जनता के असल मुद्दों का जवाब देना चाहिए, लेकिन वह धार्मिक नारों और नए राजनीतिक मुद्दों के सहारे लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव ने परिसीमन के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरते हुए इसे पार्टी की सबसे बड़ी राजनीतिक भूल करार दिया। उन्होंने कहा कि परिसीमन को लेकर भाजपा जिस तरह की तैयारी कर रही है, उससे कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण के पूरी तरह पक्ष में है और महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, लेकिन महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में सीटों की संख्या बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के नाम पर लोकसभा सीटों की संख्या में 33 प्रतिशत के बजाय 50 प्रतिशत तक वृद्धि करने की मंशा दिखाई दे रही है। ऐसे में इस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और उसके वास्तविक उद्देश्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जिन लोकसभा क्षेत्रों की सीमाएं पहले से तय कर दी गई हैं, उनके आधार पर होने वाले परिसीमन पर आखिर भरोसा कैसे किया जा सकता है। परिसीमन केवल सीटों की संख्या बढ़ाने या घटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और राजनीतिक संतुलन पर पड़ता है। इसलिए इस विषय पर सभी राजनीतिक दलों के साथ व्यापक चर्चा और पारदर्शिता जरूरी है। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो सरकार देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर सवालों के घेरे में है, वह लोकसभा क्षेत्रों की सीमाएं तय करने की जिम्मेदारी किस आधार पर निभाएगी। उन्होंने परिसीमन को लेकर भाजपा की मंशा पर भी सवाल खड़े किए।

सपा प्रमुख ने कहा कि देश में युवा, किसान और व्यापारी वर्ग सरकार की नीतियों से नाराज है। युवाओं के सामने रोजगार और नौकरियों का संकट बना हुआ है। नौकरी की मांग को लेकर युवा लगातार आवाज उठा रहे हैं, वहीं किसान अपनी समस्याओं को लेकर परेशान हैं। व्यापारियों को भी कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद सरकार इन मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देने के बजाय नए-नए राजनीतिक विषय सामने ला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के बीच बढ़ती नाराजगी और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण सवालों से ध्यान हटाने के लिए परिसीमन के मुद्दे को प्रमुखता दी जा रही है।

राहुल गांधी का सरकार पर हमला: बोले- वोट चोरी छिपाने के लिए ला रहे परिसीमन बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने 850 के आंकड़े को भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि सरकार लोकसभा की सीटें बढ़ाने के नाम पर चुनावी व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलना चाहती है। राहुल ने आरोप लगाया कि चुनाव में कथित वोट चोरी के आरोपों से बचने और सत्ता बनाए रखने के लिए यह नया रास्ता तैयार किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे 850 के इस आंकड़े को याद रखें।राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी लोकसभा में 543 सीटें हैं, लेकिन सरकार इन्हें बढ़ाकर 850 करना चाहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका है और इसे लागू किया जा सकता है, तो फिर सीटों की संख्या 850 करने की जरूरत क्यों है? राहुल के मुताबिक, महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन की प्रक्रिया आगे



बढ़ाने का मकसद देश का चुनावी नक्शा नए सिरे से तैयार करना है। उन्होंने दावा किया कि इससे भाजपा को अपने राजनीतिक फायदे के हिसाब से निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदलने का मौका मिलेगा।राहुल गांधी ने युवाओं को संबोधित करते हुए 850 के आंकड़े को भारतीय लोकतंत्र की हत्या से जुड़ा नंबर बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को देश का चुनावी नक्शा अपनी पसंद से बदलने का मौका मिल सकता है। राहुल ने कहा कि इससे भाजपा उन समुदायों का प्रतिनिधित्व कमजोर कर सकती है, जो उसका विरोध करते हैं। साथ ही, विपक्ष के कुछ खास नेताओं को निशाना बनाने का रास्ता भी खुल सकता है। राहुल ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन आयोग में ज्ञानेश कुमार सदस्य होंगे। उनके आरोप के मुताबिक, आयोग में एक पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज का चयन प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह करेंगे, जबकि तीसरे सदस्य को चुनने की जिम्मेदारी ज्ञानेश कुमार की होगी। राहुल ने दावा किया कि इस व्यवस्था से आयोग पर सरकार का पूरा नियंत्रण हो सकता है।

संपादकीय

सेहत का रेड अलर्ट

भारत तेजी से मधुमेह, मोटापे और उच्च रक्तचाप के मरीजों की राजधानी बन रहा है। घर के स्वास्थ्यवर्धक खाने को तिलांजलि देकर चटपटा खाने का जुनून युवा पीढ़ी ही नहीं, पुरानी पीढ़ियों में भी नजर आ रहा है। दरअसल, चीनी व यूरोपीय शैली के खाद्य पदार्थों में तीखे नमक, चीनी तथा अधिक वसा के इस्तेमाल से चटपटे व्यंजन बनाने का जुनून आज भारतीयों के सिर चढ़कर बोल रहा है। खासकर बच्चे व नयी पीढ़ी के युवा इसके दीवाने हैं। लोक कल्याण का दम भरने वाली सरकारों की जन-स्वास्थ्य के प्रति अनदेखी के चलते जीवन शैली के तमाम रोग पनप रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी लेबल लगाने के निर्देश देने पड़े हैं। निस्संदेह, देश मे बढ़ते जन-स्वास्थ्य संकट के बीच कोर्ट की यह सार्थक पहल है। अदालत ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई को निर्देश दिया है कि जिन भी उत्पादों में चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक हो, उन पर अलग से लाल रंग की चेतावनी लगायी जाए। ऐसा करके कोर्ट ने कंपनियों की सुविधा के बजाय उपभोक्ताओं के 'जानने के अधिकार' को प्राथमिकता दी है। लेकिन एक बात तो साफ है कि नियामक संस्था खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण अपने दायित्वों के निर्वहन में नाकाम रही है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा है। जन स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक मात्रा में चीनी, नमक व वसा का मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में होने के बावजूद एफएसएसएआई कई अलग-अलग प्रस्तावों के बीच उलझा रहा। इसमें स्टार 'रेटिंग सिस्टम' भी शामिल रहा है। जिसको लेकर विषय विशेषज्ञों की राय थी कि 'स्टार रेटिंग सिस्टम' से उपभोक्ताओं को स्वास्थ्य जोखिम के प्रति सचेत करने के बजाय, उनमें चयन को लेकर भ्रम बढ़ सकता है। सही मायने में ऐसे किसी निर्देश में स्पष्टता होनी बेहद जरूरी है। विडंबना है कि देश में अत्यधिक प्रोसेस्ड यानी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत में भारी वृद्धि हुई है। इस तथ्य के बावजूद कि देश आज तमाम गैर-संचारी रोगों की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। फलतः भारत में मधुमेह, हाइपरटेंशन और मोटापे से करोड़ों लोग प्रभावित हुए हैं। ये रोग जीवनशैली की विसंगतियों से पैदा हुए हैं। विडंबना है कि सीधे खाने के लिये तैयार खाद्य पदार्थों, मीठे पेय पदार्थों और डिब्बाबंद स्नैक्स के लिये बेहद आक्रामक मार्केटिंग के जरिये बच्चों व युवाओं को लुभाया गया। फलतः जन-स्वास्थ्य के लिये एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में लाल चेतावनी चिन्ह लगाने का निर्देश समय की सख्त जरूरत है। इससे कंपनियां छोटे अक्षरों की आड़ में पोषण संबंधी जोखिमों को छिपा नहीं सकतीं। लाल चेतावनी पर उपभोक्ताओं का सीधा ध्यान जाएगा। रोजमर्रा के खान-पान की चीजों को चुनते समय, लोगों को जटिल पोषण तालिकाओं को समझने के लिये किसी विशेष ज्ञान या अतिरिक्त समय की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। वहीं जन-स्वास्थ्य की कीमत पर उद्योग जगत को मुनाफे की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।

साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

सोना सस्ता होने से गोल्ड लोन लेने वालों पर मुसीबत का पहाड़



सनत जैन

पिछले 27 दिन में सोने की कीमतों में करीब 13.58 फीसदी की गिरावट आई है। गिरवी रखे सोने और गहनों पर अतिरिक्त रकम जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। भुगतान नहीं करने पर नीलामी का खतरा बढ़ गया है। भारत में सोना केवल आभूषण या निवेश का माध्यम नहीं है, करोड़ों परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा सहारा है। जब परिवार पर अचानक आर्थिक संकट आता है, बच्चों की पढ़ाई की फीस भरनी होती है, इलाज कराना होता है, या पुराने कर्ज की किस्त चुकानी होती है, तब घर में रखा सोना काम आता है। लोग अपनी जरूरत के लिए सोने को गिरवी रखकर जरूरत पूरी करते हैं। अब यही आर्थिक सहारा कई परिवारों के लिए नई परेशानी का कारण बनता जा रहा है। पिछले 26 दिनों में सोने की कीमतों में लगभग 13.58 फीसदी की गिरावट, दूसरी तरफ गोल्ड लोन बढ़कर 8.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का आंकड़ा वित्तीय व्यवस्था के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करता है। सोने की कीमत घटने से बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हुआ है। ऐसे में कर्ज देने वाली संस्थाएं ग्राहकों से अतिरिक्त सोना या बकाया राशि जमा करने की मांग कर रही हैं। जिन परिवारों ने अपनी सोने के रूप में रखी पूरी बचत गिरवी रखकर कर्ज लिया है, उनके लिए यह स्थिति बेहद कठिन हो गई है। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है, गोल्ड लोन का विस्तार केवल निवेश या कारोबार की जरूरतों मे नहीं हो रहा है। बड़ी संख्या में परिवार अपनी रोजमर्रा की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए सोना गिरवी रख रहे हैं। कई लोग पुराने कर्ज की किस्त चुकाने के लिए नया गोल्ड लोन ले रहे हैं। इसके अलावा अस्पतालों का खर्च, बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतें और शादी-विवाह जैसे सामाजिक दायित्व भी इसकी बड़ी वजह हैं। इसका अर्थ यह है, भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। वे अपनी संपत्ति को गिरवी रखकर वर्तमान जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

सीआरआईएफ की नवंबर 2026 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 तक देश में गोल्ड लोन का बकाया पोर्टफोलियो 23.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 60.6 फीसदी अधिक है। सक्रिय गोल्ड लोन खातों की संख्या 10.2 करोड़ हो गई है। जुलाई-सितंबर तिमाही में नए गोल्ड लोन का मूल्य 8.15 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 27.2 फीसदी की वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि इस दौरान लोन खातों की संख्या 4.1 फीसदी घटी है। इसके बावजूद भी औसत लोन की राशि 32.7 फीसदी बढ़कर 2.2 लाख रुपये हो गई। यानी कम खातों के बावजूद लोग पहले की तुलना में बड़ी रकम उधार ले रहे हैं। गोल्ड लोन का विस्तार अब बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रहा। सीआरआईएफ के आंकड़ों के अनुसार, छोटे शहरों और कस्बों में भी गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं के गोल्ड लोन खातों की संख्या बढ़कर 2.4 करोड़ पहुंच गई है। कुल गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में महिलाओं की हिस्सेदारी 42.2 फीसदी पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है, परिवारों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में महिलाओं के गहने भी बड़ी मात्रा में इस्तेमाल हो रहे हैं।

दक्षिण भारत के पांच राज्यों की हिस्सेदारी कुल बकाया गोल्ड लोन में लगभग 72 फीसदी है। दूसरे राज्यों में भी गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सोने की कीमतों में गिरावट का सीधा असर गिरवी रखे सोने के बदले दिए गए कर्ज पर पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने सोने की ऊंची कीमत के समय 1.50 लाख रुपये का लोन लिया था. अब गिरावट के कारण गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हो गया है। इससे कर्जदाता के लिए जोखिम बढ़ जाता है। लोन और गिरवी रखे सोने के वर्तमान मूल्य के बीच का अनुपात बढ़ने से ग्राहक को अतिरिक्त भुगतान या अतिरिक्त सोना जमा करने के नोटिस शुरू हो गए हैं। हर बैंक या एनबीएफसी तत्काल अतिरिक्त भुगतान की मांग नहीं कर सकती है। यह लोन की शर्तों, निर्धारित लोन-टू-वैल्यू अनुपात और संबंधित नियमों पर निर्भर करता है। भुगतान नहीं होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्यवाही के पश्चात गिरवी रखे सोने की नीलामी हो सकती है। हालिया बाजार रिपोर्टों में गोल्ड लोन कंपनियों पर बढ़ते दबाव और नीलामी के अंदेशे का में उल्लेख किया गया है। गोल्ड लोन में लगातार बढ़ोतरी के साथ सबसे बड़ा खतरा यह है, जिन परिवारों की बचत धीरे-धीरे कर्ज के बोझ में बदल रही है। यदि सोने की कीमतें भविष्य में और भी गिरती हैं, जिन्होंने लोन लिया है उनकी आमदनी में सुधार नहीं होता है, तो कर्ज चुकाने की क्षमता प्रभावित होगी। इससे बैंकों और और लोन देने वाली कंपनियों के सामने वसूली तथा खराब कर्ज का जोखिम बढ़ सकता है। सरकार और रिजर्व बैंक के लिए भी यह समझना जरूरी है, गोल्ड लोन का विस्तार आर्थिक गतिविधियों में बदलाव का संकेत है, या घरेलू आर्थिक मजबूरी का परिणाम है। केवल कर्ज वितरण बढ़ने को वित्तीय सफलता नहीं माना जा सकता है। सरकार और रिजर्व बैंक को यह भी देखना होगा, लोग कर्ज लेकर रोजगार, कारोबार और आय बढ़ा रहे हैं, या पुराने कर्ज और घरेलू खर्च को पूरा करने लोन ले रहे हैं। अंततः सोने की कीमतों में गिरावट से सबसे ज्यादा नुकसान उन परिवारों को हो रहा है, जिनके पास संकट के समय गिरवी रखने के लिए यही एक संपत्ति थी। उन्हें अपने पारिवारिक गहने गंवाने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है, बैंक ग्राहकों को पर्याप्त समय और पारदर्शी प्रक्रिया उपलब्ध कराएं। सरकार घरेलू कर्ज की स्थिति पर गंभीरता से निगरानी रखे। सोना परिवारों की आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक रहना चाहिए। गोल्ड लोन के रूप में स्त्रियों ने अपना स्त्री धन भी गिरवी रखा है। आर्थिक संकट में फंसे ऐसे परिवारों के लिए सरकार, बैंक और एनबीएफसी कंपनियां सहानुभूति पूर्वक विचार करें तथा इन्हें पर्याप्त समय दें।

भारतीय संसद का चार दिवसीय विशेष सत्र बना सियासी महासंग्राम!



किशन सनमुखदास

लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक पुनर्गठन या 2029 के चुनाव का मास्टरस्ट्रोक? संविधान का अनुच्छेद 368,106वां और प्रस्तावित 131वां संविधान संशोधन,1971 व 2011 बनाम 2027 जनगणना और 543 से 850 लोकसभा सीटों का गणित!दक्षिण भारत की हिस्सेदारी पर सवाल?महिला आरक्षण का मुद्दा और विपक्ष की चुनौती! संसद के विशेष सत्र पर पूरी दुनियाँ की नज़र! - समग्र व्यापक महा-विश्लेषण!

भारत की संसद में ऐतिहासिक राजनीतिक महासंग्राम! संभावित 850 सीटों का प्रस्ताव? महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण, उत्तर-दक्षिण प्रतिनिधित्व की जंग और 2029 का चुनावी समीकरण! एनडीए को चाहिए अतिरिक्त समर्थन, विपक्ष के पास भी है सत्ता का गणित बदलने का हथियार!

क्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले बदल जाएगा भारत का सत्ता-समीकरण? 543 से 850 सीटें? 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, परिसीमन का विवाद और एनडीए के 320 सांसदों की दो-तिहाई बहुमत की परीक्षा! विपक्ष की रणनीति से पलट सकता है पूरा खेल!

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक प्रौद्योगिकी, डिजिटल क्रांति,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा आधारित नीति निर्धारण के दौर में दुनियाँ के लोकतांत्रिक देश अपनी संसदों में कानून बनाते समय नवीनतम जनसंख्या आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और भविष्य की आवश्यकताओं को आधार बना रहे हैं। अमेरिका की सीनेट और प्रतिनिधि सभा से लेकर ब्रिटेन तथा यूरोप की संसदीय व्यवस्थाओं तक बदलती परिस्थितियों के अनुरूप नीतिगत निर्णय लेने की परंपरा दिखाई देती है। इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की संसद का आगामी विशेष सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण राजनीतिक संवैधानिक और लोकतांत्रिक घटनाक्रम बन गया है।केंद्र सरकार ने लोकसभा को सोमवार 30 नवंबर 2026 और राज्यसभा को बुधवार 2 दिसंबर 2026 से पुनःबैठने का निर्णय लिया है।दोनों सदनों की बैठकें क्रमशः 30 नवंबर और 1 दिसंबर तथा 2 और 3 दिसंबर तक चल सकती हैं।संसदीय कार्यमंत्री ने 26 नवंबर को आवश्यक सरकारी कामकाज का हवाला दिया था,जबकि 27 नवंबर को उन्होंने यह भी कहा कि इस सत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक और राष्ट्रीय महत्व के विषय सामने आ सकते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि हालांकि शुक्रवार दिनांक 27 नवंबर 2026 तक शाम 6 बजे तक सरकार ने विधायी कार्यसूची में परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संबंधी प्रस्तावों को औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में यही दोनों विषय हैं।

साथियों बात अगर हम पहला महत्वपूर्ण पहलू,विशेष सत्र या मानसून सत्र का विस्तार? को समझने की करें तो इस घटनाक्रम की एक संवैधानिक और संसदीय बारीकी समझना जरूरी है।संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था, लेकिन उसे औपचारिक रूप से सत्रावसान नहीं किया गया था। इसलिए आगामी बैठकें उसी सत्र के दूसरे भाग के रूप में आयोजित होने की बात सामने आई है। इसीलिए इसे राजनीतिक और समाचार विमर्श में विशेष बैठक कहा जा रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से इसे पूरी तरह अलग नया सत्र मानना सही नहीं होगा। सरकार ने सामान्य शीतकालीन सत्र की बजाय यह संक्षिप्त कार्यक्रम क्यों चुना,इसपर विपक्ष सवाल उठा रहाहै।वहीं सत्ता पक्ष आवश्यक सरकारी कामकाज को इसका कारण बता रहा है। सदन की अधिसूचित कार्यसूची और कार्यवाही का कार्यक्रम सटीकता से निर्णायक होगा।

साथियों बात अगर हम दूसरा पहलू,543 से 850 सीटों तक लोकसभा का विस्तार !को समझने की करें तो प्रस्तावित संविधान संशोधन का सबसे बड़ा आकर्षण लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 से बढ़ाकर 850 तक करने की संभावना है।वर्तमान लोकसभा में 543 निर्वाचित सीटें हैं।प्रस्तावित व्यवस्था में सीटों का विस्तार करके राज्यों के प्रतिनिधित्व का पुनर्गठन करने की चर्चा है।तर्क है कि 1952 में जब भारत का पहला आम चुनाव हुआ था,तब मतदाताओं की संख्या लगभग 17 करोड़ थी और लोकसभा में 489 सदस्य थे।आज मतदाताओं की संख्या लगभग 98 करोड़ पहुंच चुकी है,लेकिन निर्वाचित लोकसभा सीटें 543 ही हैं।ऐसे में बढ़ती आबादी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व आवश्यकताओं को देखते हुए सीटें बढ़ाना समय की मांग बताया जा रहा है।हालांकि 850 सीटों का आंकड़ा प्रस्तावित अधिकतम सीमा है, कोई अंतिम स्वीकृत सीट आवंटन नहीं। प्रत्येक राज्य को कितनी सीटें मिलेंगी, यह विधायी प्रावधानों और परिसीमन प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

साथियों बात अगर हम तीसरा पहलू,1971 की जनगणना बनाम 2027 की जनगणना का सवाल! को समझने की करें तो परिसीमन विधेयक के तहत राज्यों के बीच सीटों के अनुपात को 1971 की जनगणना पर स्थिर रखने(25 वर्षों के लिए और बढ़ाने) और राज्यों के भीतर सीटों के पुनर्गठन के लिए 2011 की जनगणना का उपयोग करने का प्रस्ताव है।इसनिर्णय और 1971 बनाम 2027 की जनगणना के पीछे के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं (अ)1971 की जनगणना को आधार बनाने के प्रमुख कारण,दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का समाधान (संघीय संतुलन)-मीडिया रिपोर्टों के अनुसार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तमिलनाडु,केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया है।यदि नई जनसंख्या के आधार पर राज्यों को सीटें बांटी जातीं, तो उत्तर भारत के तेजी से बढ़ती आबादी वाले राज्यों की सीटें बढ़ जातीं और दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जाता। 50 प्रतिशत समान वृद्धि का फॉर्मूला- इस असंतुलन को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों की सीटों में एकसमान 50प्रतिशत वृद्धि करने और 1971 की जनगणना के अनुपात को अगले 25 वर्षों (2051 तक) के लिए फ्रीज (स्थिर) रखने का फॉर्मूला तैयार किया है। इससे लोकसभा की अधिकतम सीटें 550 से बढ़कर 850 (815 राज्यों से और 35 केंद्र शासित प्रदेशों से) करने का रास्ता साफ होगा और किसी भी राज्य की हिस्सेदारी कम नहीं होगी।अप्रैल 2026 की विफलता से सबक-अप्रैल 2026 में जब सरकार ने बिना इस संवैधानिक गारंटी के परिसीमन विधेयक पेश किया था तब विपक्ष के विरोध के कारण यह लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत (298 पक्ष में, 230 विरोध में) हासिल नहीं कर सका था।(ब)2027 की जनगणना का इंतजार क्यों नहीं किया जा रहा? 2029 के चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना- 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संविधान संशोधन) के तहत लोकसभा और विधान सभाओं में महिलाओं को 33त्न आरक्षण देने के लिए जनगणना और परिसीमन की शर्त रखी गई थी।

भारतीय खाद्य संस्कृति पर आघातों से सुप्रीम कोर्ट चिन्तित



ललित गर्ग

भारत जैसे देश में यह चुनौती और गंभीर है, क्योंकि यहां भोजन केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, संस्कृति का हिस्सा है। हमारी परंपरा में 'जैसा अन्न वैसा मन' की धारणा रही है। भोजन को आयु, ऋतु, प्रकृति और श्रम के अनुरूप लेने की परंपरा थी। भारतीय रसोई में अनेक ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद हैं जिन्हें आज दुनिया 'सुपरफूड' कहकर खोज रही है।



भारत की पहचान केवल उसकी आध्यात्मिकता, विविधता और संस्कृति से नहीं, उसकी रसोई से भी होती है। हमारी रसोई में स्वाद के साथ स्वास्थ्य, ऋतु के साथ संतुलन और भोजन के साथ संस्कार जुड़े रहे हैं। दादी-नानी के हाथों का भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं था, वह परिवार की सेहत की पहली पाठशाला था। दाल, बाजरा, ज्वार, रागी, हरी सब्जियां, मौसमी फल, छाछ, अंकुरित अनाज, मसालों का संतुलित उपयोग और घर का ताजा भोजन भारतीय जीवन-पद्धति की ताकत रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में हमारी थाली धीरे-धीरे बदल गई है। स्वाद के नाम पर बाजार ने हमारी रसोई में प्रवेश किया और सुविधा के नाम पर पैकेट ने घर की कड़ाही को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। इसी बदलती खाद्य संस्कृति के बीच सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्देश एक महत्वपूर्ण चेतावनी की तरह सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने खाद्य पैकेटों पर फ्रंट-ऑफ-पैक पोषण लेबलिंग को मजबूत करने का निर्देश देते हुए कहा है कि अधिक शुगर, सैचुरेटेड फैट और नमक वाले उत्पादों पर अलग-अलग स्पष्ट चेतावनी चिह्न हों। न्यायालय ने 'टोटल शुगर' और 'सैचुरेटेड फैट' को प्रमुखता से दिखाने तथा 'हाई शुगर', 'हाई फैट और 'हाई साल्ट' जैसे स्पष्ट संकेत देने की दिशा में कदम उठाने को कहा है। उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है- उपभोक्ता को वह जानकारी सामने मिले, जिसे वह छोटे अक्षरों में खोजते-खोजते अक्सर छोड़ देता है।

यह फैसला केवल लेबल बदलने का फैसला नहीं है, यह उस सोच को बदलने का प्रयास है जिसमें चमकदार पैकेट देखकर भोजन की गुणवत्ता तय कर ली जाती है। आज बाजार में किसी उत्पाद का विज्ञापन उसकी पौष्टिकता से अधिक आकर्षक पैकेजिंग, स्वाद और सुविधा बेचता है। बच्चे रंगीन पैकेट से आकर्षित होते हैं, युवा त्वरित भोजन को जीवनशैली समझने लगे हैं और व्यस्त परिवारों के लिए डिब्बाबंद भोजन समय बचाने का आसान विकल्प बन गया है। समस्या तब पैदा होती है जब सुविधा धीरे-धीरे आदत और आदत बीमारी में बदल जाती है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि भोजन का अर्थ बदल रहा है। भोजन कभी जीवन को पोषण देने की प्रक्रिया था, अब वह तेजी से उपभोग की वस्तु बन रहा है। अधिक नमक, अधिक चीनी और अधिक वसा हमारे स्वाद की इंद्रियों को तो संतुष्ट कर सकते हैं, लेकिन शरीर की जरूरतों को नहीं। स्वाद की जीभ छोटी अवधि की खुशी चाहती है, जबकि शरीर दीर्घकालिक संतुलन मांगता है। बाजार ने हमारी जीभ को जीतने की कोशिश की है, अब हमें अपने विवेक को जीतना होगा।

भारत जैसे देश में यह चुनौती और गंभीर है, क्योंकि यहां भोजन केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, संस्कृति का हिस्सा है। हमारी परंपरा में 'जैसा अन्न वैसा मन' की धारणा रही है। भोजन को आयु, ऋतु, प्रकृति और श्रम के अनुरूप लेने की परंपरा थी। भारतीय रसोई में अनेक ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद हैं जिन्हें आज दुनिया 'सुपरफूड' कहकर खोज रही है। बाजरा, जौ, दालें, तिल, मूंगफली, विभिन्न प्रकार के अनाज, सब्जियां और स्थानीय खाद्य परंपराएं हमारी अपनी विरासत हैं। विडंबना यह है कि जिन खाद्य पदार्थों की ओर दुनिया स्वास्थ्य के लिए लौट रही है, हम उन्हीं को छोड़कर अत्यधिक प्रसंस्कृत और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की पहल को केवल उपभोक्ता अधिकार का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारतीय खाद्य संस्कृति के पुनर्जागरण के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

सरकार की जिम्मेदारी भी यहां बहुत बड़ी है। खाद्य सुरक्षा का अर्थ केवल यह सुनिश्चित करना नहीं होना चाहिए कि उत्पाद खाने योग्य है, यह भी देखना होगा कि उपभोक्ता को उस उत्पाद के वास्तविक स्वास्थ्य प्रभाव की जानकारी आसानी से मिले। एफएसएसएआई को वैज्ञानिक, स्पष्ट और उपभोक्ता-केंद्रित नियम बनाने होंगे। केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं, उनका प्रभावी निरीक्षण और कठोर पालन भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश इसी दिशा में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत करने का अवसर देता है। लेकिन सारी जिम्मेदारी सरकार या अदालत की नहीं हो सकती। उपभोक्ता को भी अपनी थाली का प्रहरी बनना होगा। जिस प्रकार हम घर खरीदते समय कीमत, स्थान और गुणवत्ता देखते हैं, उसी प्रकार भोजन खरीदते समय उसके घटकों को देखना भी हमारी आदत बननी चाहिए। किसी पैकेट पर बड़ा 'हेल्दी' लिखा होना उसे स्वतः स्वस्थ नहीं बना देता। विज्ञापन स्वास्थ्य का प्रमाणपत्र नहीं है। असली प्रमाण उसके पोषण संबंधी विवरण और हमारी आवश्यकता के बीच संतुलन है।

बच्चों के मामले में विशेष सावधानी आवश्यक है। बच्चे विज्ञापन और पैकेजिंग से सबसे जल्दी प्रभावित होते हैं। यदि स्कूल के आसपास और डिजिटल माध्यमों पर अत्यधिक चीनी, नमक और वसा वाले खाद्य पदार्थों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाता रहेगा, तो स्वस्थ भोजन उनके लिए 'उबाऊ' और अस्वास्थ्यकर भोजन 'मजेदार' बन जाएगा। इसलिए स्कूलों को केवल पाठ्यपुस्तकों में स्वास्थ्य शिक्षा देने के बजाय कैंटीन और परिसर के आसपास उपलब्ध भोजन के माध्यम से भी स्वस्थ आदतें विकसित करनी होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों के आसपास ऐसे खाद्य पदार्थों और उनके विज्ञापनों पर नियंत्रण की दिशा में भी जोर दिया है। हमें यहां एक और क्रांतिकारी विचार पर काम करना होगा-'फूड लिटरेसी' को जनशिक्षा का हिस्सा बनाना। जिस तरह बच्चों को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल साक्षरता सिखाई जा रही है, उसी तरह उन्हें खाद्य साक्षरता भी सिखाई जानी चाहिए। बच्चे जानें कि शुगर क्या करती है, अधिक नमक क्यों नुकसान पहुंचाता है, संतृप्त वसा क्या है, पैकेट पर लिखे पोषण-लेबल को कैसे पढ़ना है और ताजा स्थानीय भोजन क्यों बेहतर विकल्प हो सकता है। एक जागरूक बच्चा केवल स्वयं स्वस्थ नहीं रहेगा, वह अपने परिवार की भोजन-आदत भी बदल सकता है। साथ ही भारतीय खाद्य संस्कृति को आधुनिक रूप देकर पुनर्जीवित करने की जरूरत है। स्वस्थ भोजन का अर्थ यह नहीं कि स्वाद छोड़ दिया जाए। भारत के पास स्वाद और स्वास्थ्य का अद्भुत संतुलन बनाने की हजारों वर्ष पुरानी क्षमता है। जरूरत है कि बाजरा, दाल, सब्जियों, पारंपरिक पेयों और स्थानीय व्यंजनों को आधुनिक प्रस्तुति, स्वच्छ पैकेजिंग और उचित मूल्य के साथ नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। हमें विदेशी खाद्य संस्कृति का विरोध नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध खाद्य संस्कृति को इतना आकर्षक बनाना है कि भारतीय युवा उसे गर्व से अपनाए। इस दिशा में एक नया सामाजिक अभियान चल सकता है-'मेरी थाली, मेरी जिम्मेदारी।' परिवार सप्ताह में कम-से-कम कुछ दिन पैकेटबंद भोजन से दूरी बनाए, स्कूल स्वस्थ भोजन दिवस मनाएं, कार्यालयों में पौष्टिक भोजन को बढ़ावा मिले, सार्वजनिक संस्थान स्थानीय और पारंपरिक खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहित करें तथा मीडिया भोजन के विज्ञापन में केवल स्वाद नहीं, स्वास्थ्य की चेतना भी जगाए। खाद्य उद्योग को भी शत्रु मानने के बजाय जिम्मेदार भागीदार बनाया जाना चाहिए। मुनाफा कमाना उसका अधिकार है, लेकिन उपभोक्ता के स्वास्थ्य की कीमत पर मुनाफा कमाना सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मूलतः एक सवाल हमारे सामने रखा है-क्या हमारी सुविधा हमारी सेहत से बड़ी हो गई है? इसका उत्तर हमें सामूहिक रूप से देना होगा। अदालत ने पैकेट के सामने चेतावनी लगाने का रास्ता दिखाया है, लेकिन असली चेतावनी हमारे विवेक पर लिखी जानी चाहिए। यदि लाल निशान देखकर भी हम वही चीज खरीदते रहें, तो केवल लेबल बदलने से समाज नहीं बदलेगा। भारत की खाद्य संस्कृति को बचाने का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, बल्कि परंपरा और आधुनिक विज्ञान का सुंदर समन्वय करना है। हमें ऐसी खाद्य व्यवस्था बनानी होगी जिसमें किसान को सम्मानजनक बाजार मिले, स्थानीय भोजन को प्रतिष्ठा मिले, उद्योग को जिम्मेदारी का बोध हो, बच्चों को स्वस्थ विकल्प मिलें और उपभोक्ता को पूरी जानकारी मिले। देश की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, उसके नागरिकों की स्वस्थ सांसों से मापी जानी चाहिए। हमारी रसोई बची रहेगी तो हमारी संस्कृति बचेगी हमारी थाली स्वस्थ रहेगी तो हमारा भविष्य स्वस्थ रहेगा। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश इसलिए केवल पैकेट पर लगने वाला लाल निशान नहीं, बल्कि हमारी बदलती खाद्य आदतों के सामने लगा हुआ एक बड़ा सामाजिक आईना है। अब फैसला हमारे हाथ में है- हम उस आईने में खतरा देखकर अपनी आदत बदलते हैं या चेतावनी पढ़कर भी उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। समय आ गया है कि भारत 'जंक फूड की खपत' में नहीं, 'स्वस्थ भोजन की संस्कृति' में दुनिया का नेतृत्व करे। यही इस न्यायिक पहल की सबसे बड़ी और सकारात्मक परिणति हो सकती है।

फैक्ट्री में गैस रिसाव की मॉक ड्रिल, 45 लोगों को सुरक्षित निकाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिगड्डी ग्रोथ सेंटर स्थित फार्मा फैक्ट्री में शनिवार को गैस रिसाव की आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान की मॉक ड्रिल आयोजित की। इस दौरान गैस रिसाव की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत और तीन के घायल होने का परिदृश्य तैयार किया गया। वहीं, फैक्ट्री में फंसे 45 अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर राहत केंद्र पहुंचाया गया। मॉक ड्रिल के तहत वार्ड झंडीचौड़ उत्तरी के पार्षद रजनीश बेबनी ने 112 नंबर पर कॉल कर फैक्ट्री में गैस रिसाव की आशंका की सूचना दी। सूचना मिलते ही एसडीएम संदीप कुमार के नेतृत्व में प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। जांच के दौरान पता चला कि फैक्ट्री के फर्नेस ऑयल (एफओ) बॉयलर की पाइप लाइन फटने से गैस का रिसाव हो रहा है। इसके बाद संबंधित टीमों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए पाइपलाइन का लीकेज बंद किया और गैस रिसाव पर काबू पाया। रेस्क्यू अभियान के तहत एसडीआरएफ की टीम ने फैक्ट्री में फंसे लोगों को सुरक्षित


मॉक ड्रिल करती प्रशासन की टीम

बाहर निकाला। प्रभावित लोगों को बेस अस्पताल कोटद्वार पहुंचाया गया। मॉक ड्रिल के दौरान तीन लोगों की मौत, एक के गंभीर रूप से घायल और दो अन्य के सामान्य रूप से घायल होने की स्थिति दर्शाई गई। इसके अलावा 45 अन्य लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत केंद्र पहुंचाया गया। एसडीएम संदीप कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य गैस रिसाव जैसी आपात परिस्थितियों में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखना था। मॉक ड्रिल में तहसीलदार राजेंद्र सनवाल, कलालघाटी चौकी प्रभारी राजाराम डोभाल, एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग की टीमें मौजूद रहीं। इसके अलावा सिंपेक्स फार्मा के एचआर प्रवेंद्र सिंह भंडारी और पशु चिकित्सक सुबोध रंजन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल हुए।

सेब फसल बीमा का मुआवजा नहीं मिलने पर भड़के काश्तकार

नौगांव (उत्तरकाशी)। स्योरी फल पट्टी के सेब काश्तकारों ने फसल बीमा का उचित लाभ नहीं मिलने पर बीमा कंपनी के खिलाफ नाराजगी जताई है। काश्तकारों ने कंपनी पर क्लेम निर्धारण में दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उद्यान मंत्री को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है।काश्तकारों ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सरकार से अधिकृत एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से करोड़ों रुपये का मौसम आधारित बीमा कराया गया था। इसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदा और प्रतिकूल मौसम से फसल को होने वाले नुकसान की भरपाई करना था। उस वर्ष खराब मौसम के चलते सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचा था। कई काश्तकार ऐसे भी रहे, जो अपनी फसल का स्वाद तक नहीं चख पाए। काश्तकारों का कहना है कि उन्हें बीमा योजना से नुकसान की भरपाई की उम्मीद थी।

शराब के नशे में वाहन चला रहा चालक गिरफ्तार



पुलिस हिरासत में चालक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा पुलिस चेकपोस्ट में पुलिस ने शराब के नशे में यात्री वाहन चला रहे चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन को भी सीज कर दिया। वाहन में आठ सवारियां बैठी थी, जिन्हें पुलिस ने दूसरे वाहनों से सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया। रात दुगड्डा चेकपोस्ट पर चेकिंग के दौरान एक यात्री वाहन को रोककर चालक की एल्कोमीटर से जांच की गई। परीक्षण में चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। इस पर पुलिस ने चालक संदीप सिंह निवासी रामणी, पट्टी अजमेर, तहसील कोटद्वार को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही यात्री वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया। जांच के दौरान पता चला कि वाहन में पौखाल से रामणी और पुलिंडा की ओर जाने वाली आठ सवारियां मौजूद थीं। चालक के नशे में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें अन्य वाहनों के माध्यम से सुरक्षित उनके गंतव्य के लिए रवाना किया। दुगड्डा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक केडी शर्मा ने बताया कि चालक शराब के नशे में यात्री वाहन चलाकर उसमें सवार आठ लोगों की जान जोखिम में डाल रहा था। पुलिस की चेकिंग के दौरान मामला पकड़ में आने पर चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने मॉडलों से दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर के हल्दूखाता स्थित बोक्सा जनजाति बालिका विद्यालय में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर आधारित वर्किंग और नॉन-वर्किंग मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी के प्रोफेसर डॉ. ललित सिंह बिष्ट और डॉ. अंजू थपलियाल ने संयुक्त रूप से किया। छात्राओं ने अपने तैयार किए गए मॉडलों के माध्यम से विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों और उनके दैनिक जीवन में व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या कंचन रावत ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से छात्राओं को अपनी प्रतिभा और नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। छात्राओं ने विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को मॉडलों के जरिए बेहद सरल और रोचक तरीके से समझाया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और रचनात्मक क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर हिमालय बुक्सा आदिम जनजाति उत्थान समिति की अध्यक्ष प्रभा देवी, अंबेश पंत और पार्षद जेपी बहुखंडी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पवाणी अग्निकांड में जले मवेशियों से अब संक्रमण का खतरा

पुरोला। मोरी ब्लॉक के पवाणी गांव में हुए भीषण अग्निकांड ने ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। आग की चपेट में आकर आवासीय मकानों के साथ 200 से अधिक मवेशी भी जलकर मर गए। बड़ी संख्या में पशुधन के नुकसान से प्रभावित परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। वही, जले हुए पशुओं के अवशेषों से संक्रमण और महामारी फैलने की आशंका को लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में सफाई अभियान चलाने और मृत पशुओं के अवशेषों का सुरक्षित निस्तारण करने की मांग की है। ग्रामीण यशपाल पंवार, कैलाश डिमरी का कहना है कि अग्निकांड में पहले ही कई परिवारों के आशियाने उजड़ चुके हैं। अब पशुधन के नुकसान ने उनकी आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर दिया है। पशुपालन ग्रामीणों की आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे में मवेशियों की मौत से उनके सामने भविष्य को लेकर भी चिंता खड़ी हो गई है।

नशे के दुष्प्रभाव बताकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

निबंध में अस्मिता नेगी और पोस्टर प्रतियोगिता में निशा ने हासिल किया प्रथम स्थान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे छात्र-छात्राओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं एनएसएस के गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर बना देता है। इसका दुष्प्रभाव केवल सेवन करने वाले व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, पड़ोस और पूरे समाज पर भी पड़ता है। विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता



आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते शिक्षक

प्रमोद कुमार रमोला ने कहा कि शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने का प्रावधान भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर आयोजित सीनियर वर्ग की ह्यनशा मुक्त युवा, विकसित भारतह्व निबंध प्रतियोगिता में अस्मिता नेगी ने प्रथम, श्वेता ने द्वितीय और स्वाति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, जूनियर वर्ग की पोस्टर प्रतियोगिता में निशा ने प्रथम, सत्यम ने द्वितीय और श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रमोद कुमार रमोला, दिनेश सिंह बिष्ट, नीरज कुमार रमोला, प्रकाश कैंथोला और प्रमोद रावत उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होते ही स्वास्थ्य केंद्र पर लटका ताला

बड़कोट। यमुनोत्री धाम की चारधाम यात्रा समाप्त होते ही जानकीचट्टी स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर ताला लटक गया है। यात्रा सीजन में तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संचालित होने वाला यह केंद्र ग्रामीणों को सालभर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों को मामूली बीमारी के उपचार और दवाइयों के लिए भी 40 से 50 किलोमीटर दूर बड़कोट और नौगांव की दौड़ लगानी पड़ रही है। इससे शीतकालीन यात्रा के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दावों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सोमेश्वर मंदिर समिति के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत ने स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से भवन का निर्माण किया गया है। यहां चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती नहीं होने से भवन का लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिल पा रहा है जबकि स्वास्थ्य कर्मियों के रहने के लिए आवासीय व्यवस्था भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री धाम में हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जाती है लेकिन यात्रा समाप्त होते ही स्वास्थ्य केंद्र बंद कर दिया जाता है। इसका खामियाजा जानकीचट्टी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। सामान्य बीमारी या प्राथमिक उपचार के लिए भी लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

पेट्रोल की बोतल लेकर पुल के पिलर पर चढ़े पूर्व प्रधान

उत्तरकाशी। जनपद के मस्ताड़ी गांव के पूर्व प्रधान सत्या नारायण सेमवाल गांव के विस्थापन सहित मोक्ष घाट और अन्य मांगों के निराकरण के लिए पेट्रोल की बोतल लेकर जोशियाड़ा स्थित झूला पुल के पिलर पर चढ़ गए। सूचना पर एसडीएम और पुलिस अधिकारी पहुंचे लेकिन वार्ता सफल न होने पर पूर्व प्रधान के समर्थन में पहुंचे बाड़ागड्डी क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी उत्तरकाशी–लंबगांव सड़क पर धरने पर बैठ गए।

शनिवार सुबह मस्ताड़ी के पूर्व प्रधान सत्या नारायण सेमवाल अपनी तीन मांगों को लेकर जोशियाड़ा स्थित झूला पुल के पिलर पर पेट्रोल की बोतल के साथ चढ़ गए। करीब छह घंटे तक पुल पर बैठे रहे। सूचना मिलने पर एसडीएम शालिनी नेगी सहित सीओ जगदीश पंत, कोतवाल दीपक नौटियाल और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचे। इसी बीच बाड़ागड्डी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने विस्थापन सहित मोक्ष घाट व सड़कों की मांग को लेकर उत्तरकाशी–लंबगांव मोटर मार्ग पर जाम लगा दिया। उसके बाद प्रशासन व पुलिस के समझाने पर स्थानीय लोगों ने जाम खोला। स्थिति को देखते हुए डीएम प्रशांत आर्य सहित एसपी कमलेश उपाध्याय मौके पर पहुंचे। उसके बाद हुई वार्ता के दौरान इंद्रावती नदी पर बाढ़ सुरक्षा कार्य, इंद्रावती मोक्ष घाट एवं स्नान घाट से संबंधित कार्यों की स्वीकृति के लिए आवश्यक प्रयास किए जाने पर सहमति बनी।

इस कार्य में मस्ताड़ी के पूर्व प्रधान सेमवाल प्रशासन को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। हरि महाराज स्नान घाट के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग को इस्टीमेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे। ग्राम मस्ताड़ी के विस्थापन से जुड़े विषय पर ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित कर चर्चा की जाएगी। इसके बाद डीएम के आश्वासन पर सेमवाल करीब छह घंटे बाद पुल से नीचे उतर गए।

एसएसपी बोले नशा तस्करों की सप्लाई चेन को पूर्णतः ध्वस्त करना प्राथमिकता

नव नियुक्त एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने की प्रेस वार्ता

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नव नियुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी देवेन्द्र पींचा ने कहा कि जनपद में अपराध नियंत्रण एवं पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना, नशा तस्करों की सप्लाई चेन को पूर्णतः ध्वस्त करना तथा नशे की बिक्री, आपूर्ति, परिवहन एवं वितरण से जुड़ी प्रत्येक कड़ी पर कठोर वैधानिक कार्यवाही करना प्राथमिकता रहेगी। कहा कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करते हुए जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं जनता में सुरक्षा की भावना विकसित करने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

शनिवार को नव नियुक्त एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि पुलिस एवं पत्रकारिता दोनों ही समाज के प्रति महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हैं। पुलिस एवं मीडिया



के मध्य बेहतर समन्वय और पारस्परिक सहयोग एवं सकारात्मक संवाद सुशासन और जनहित के लिए महत्वपूर्ण है। कहा कि पुलिस एवं मीडिया के मध्य बेहतर समन्वय, पारस्परिक विश्वास एवं नियमित संवाद स्थापित होने से जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से सामने लाने, आमजन तक सही एवं तथ्यपरक सूचनाएं पहुंचाने तथा जनसुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। उन्होंने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि जनपद पुलिस द्वारा मीडिया के साथ सकारात्मक एवं सहयोगात्मक संबंध बनाए रखते हुए जनहित से जुड़े विषयों पर आवश्यक सूचनाओं का समयबद्ध एवं तथ्यपरक आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं जाम की समस्या से निपटने के लिए बेहतर यातायात प्लान तैयार किया जाएगा। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमित चेकिंग एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। एसएसपी ने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को गंभीर चुनौती बताते हुए साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा साइबर ठगी के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान संचालित करने पर जोर दिया। कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

सीखने के प्रतिफल ही शिक्षण का है आधार : दीपक लखेड़ा



जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : परख के अंतर्गत विकासखंड एकेश्वर के शिक्षक-शिक्षिकाओ का सेमिनार खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही व उपशिक्षा अधिकारी दीपक लखेड़ा के मार्गदर्शन में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर चयनित शिक्षकों ने भाषा, गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान विषयों की दक्षताओं को चिन्हित करते हुए अपने प्रस्तुतीकरण में कक्षा-कक्षीय अनुभव को प्रमाण के साथ प्रस्तुत किया।

खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही ने सभी शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कमजोर छात्रों को उपचारात्मक शिक्षण देकर उनके कक्षा की दक्षताओं को प्राप्त करने पर जोर दिया। उप शिक्षा अधिकारी दीपक लखेड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अब केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक बच्चे में निर्धारित कक्षा अनुसार दक्षता प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने सीखने के प्रतिफल को ही शिक्षण का आधार बताया। नोडल अधिकारी संजीव थपलियाल ने कहा कि परख परीक्षा का भय नहीं है, बल्कि बच्चे की सीखने की जांच का सरल माध्यम है। उन्होंने शिक्षकों से परख में राज्य स्तर तक सर्वोत्तम प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। सेमिनार के संयोजक यतेंद्र मोहन धस्माना ने बताया कि सेमिनार में शिक्षकों द्वारा कक्षा स्तरीय दक्षताओं की प्राप्ति हेतु गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल-खेल में सीखना, समूह कार्य, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता, टीएलएम का प्रयोग, स्थानीय परिवेश से जोड़कर पढ़ाना, प्रत्येक बच्चे की भागीदारी सुनिश्चित करना जैसे बिंदुओं को साझा किया गया। इस अवसर पर मनोज गुसांईं, दीपिका रावत, अरविन्द सिंह, कंचनबाला, पूजा, शिल्पी, शुभम डिमरी, नीरज रावत, संतोष मैठाणी, शैलेन्द्र भंडारी समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

सुरक्षा की दीवार खड़ी होने से पहले ही खतरे की ढलान पर पहुंचा हेलिपैड

बड़कोट। नगर पालिका क्षेत्र स्थित हेलिपैड को सुरक्षित बनाने के लिए प्रस्तावित निर्माण कार्य ही अब उसके लिए खतरा बन रहा है। हेलिपैड तक सड़क के डामरीकरण और चहारदीवारी निर्माण की आड़ में संवेदनशील पहाड़ी पर मशीनों से अनियंत्रित कटिंग किए जाने का आरोप है। कटिंग से निकलने वाला मलबा भी हेलिपैड परिसर में डंप किया जा रहा है। इससे हेलिपैड के साथ ही आसपास के भवनों पर भूस्खलन का खतरा मंडराने लगा है।

तिलाड़ी सड़क से हेलिपैड तक करीब आधा किलोमीटर मार्ग के डामरीकरण और हेलिपैड की चहारदीवारी निर्माण के लिए लगभग पौने दो करोड़ की धनराशि स्वीकृत है। निर्माण कार्यदायी संस्था स्वीकृत कार्यों की आड़ में संवेदनशील पहाड़ी पर भारी मशीनों से मनमाने ढंग से कटिंग कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहाड़ी के संवेदनशील हिस्सों में बिना ठोस सुरक्षा उपायों के की जा रही कटिंग से पहाड़ी का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है।

अधिवेशन में अनूप कुमार पाठक बनें अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड अनुसूचित जाति–जनजाति शिक्षक एसोसिएशन, गढ़वाल मंडल का दो दिवसीय त्रिवार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन शनिवार को इंटर कॉलेज मोटाढाक के खेल मैदान में संपन्न हुआ। अधिवेशन में गढ़वाल मंडल के सातों जिलों से करीब 610 शिक्षक शामिल हुए। निर्वाचन में अनूप कुमार पाठक को मंडलीय अध्यक्ष चुना गया। वही मान सिंह महामंत्री, विनोद कुमार उपाध्यक्ष और बिमला कोल कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। अधिवेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी और विशिष्ट अतिथि मेयर शैलेंद्र सिंह रावत ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

इस दौरान आयोजकों ने अतिथियों का शॉल और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। अधिवेशन के दौरान एसोसिएशन की ओर से विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी को 19 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया। इसमें छात्रवृत्ति में 20 प्रतिशत वृद्धि करने, अनुसूचित जाति–जनजाति के शिक्षकों को नियुक्ति एवं स्थानांतरण में समान अवसर देने और विभिन्न विभागों में रिक्त बैकलॉग पदों को विशेष भर्ती अभियान चलाकर भरने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा आरक्षण रोस्टर का पारदर्शी तरीके से पालन सुनिश्चित करने की मांग भी मांगपत्र में शामिल रही। त्रिवार्षिक निर्वाचन में अनूप कुमार पाठक को मंडलीय अध्यक्ष, मान सिंह को महामंत्री, विनोद कुमार को उपाध्यक्ष और बिमला कोल को कोषाध्यक्ष चुना गया। अधिवेशन में शिक्षकों ने संगठन की मजबूती, शिक्षक हितों और समाज के वंचित वर्गों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

No: - MC-15-HABD-MB-26 Dated - 27.11.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-15-HABD-MB_26 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 18.12.2026 को 17:30 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं.	MC-15-HABD-MB_26
कार्य का नाम	"Supply, installation and commissioning of 12 nos. Hot Axle Box Detector systems at various locations over Moradabad Division with 05 years of CAMC post warranty and need base dismantle, re-installation & calibration".		
निविदा टाइप	खुली	बिडिंग स्टाइल	एकल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनाँक एवं समय		18.12.2026, 17:30 बजे	
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	रु. 2,36,52,611.39/-	ऑफर की वैधता	60 दिन

4148/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा घरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	269-DRM-MB-26-27 Date-25.11.2026	270-DRM-MB-26-27 Date-26.11.2026
कार्य का नाम	Miscellaneous repair, beautification and maintenance related work at HW and other kumbha related station in connection with Ardha kumbha Mela-2027 at Haridwar.	Loading and laying of US PRC sleepers at Track depot CBJ for new material stacking under SSE/TD/CBJ under Sr DEN/C/MB
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	22.12.2026	22.12.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	1,89,22,149.42	1,73,37,816.70
घरोहर राशि	3,78,500.00	3,46,800.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 Months	08 Months
बिडिंग आरंभ तिथि	08.12.2026	08.12.2026

टेन्डर नं. Sr. DEN-I/Publication/26-27 दिनांक 26.11.2026 4119/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गढ़वाल विवि का 13वां दीक्षांत समारोह स्थगित

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय का एक दिसंबर को प्रस्तावित 13वां दीक्षांत समारोह स्थगित कर दिया गया है। समारोह की नई तिथि जल्द घोषित की जाएगी। गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि मुख्य अतिथि की उपलब्धता एवं तिथि को अंतिम रूप नहीं दिए जाने के कारण समारोह स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। समारोह की नई तिथि अलग से घोषित की जाएगी। कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में सफल घोषित किए गए विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों श्रीनगर, चौरास और बीजीआर परिसर पौड़ी के सभी पात्र स्नातकोत्तर विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए निर्धारित ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। वहीं, पीएचडी शोधार्थियों में वे अभ्यर्थी पात्र होंगे, जिन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की जा चुकी है अथवा जिनकी मौखिक परीक्षा 10 दिसंबर 2026 तक संपन्न हो चुकी होगी। इसके अलावा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सभी विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विजेता भी समारोह में व्यक्तिगत रूप से उपाधि और पदक प्राप्त कर सकेंगे। बताया कि पात्र पीजी विद्यार्थियों, पीएचडी शोधार्थियों और स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल दोबारा खोला जाएगा। पंजीकरण की तिथि और अन्य दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अलग से जारी किए जाएंगे। कहा कि सभी पात्र अभ्यर्थियों को नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने और निर्धारित समय पर पंजीकरण पूरा करने की अपील की गई है।

छावनी परिषद् लैन्सडौन
निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् लैन्सडौन द्वारा स्वीकृत तिथि से 05 वर्ष हेतु लैन्सडौन छावनी की सर्व सं0 202 में स्थित दुकान सं0 06 (हेयर कटिंग/सैलून), एस 06 के लीज पर दिये जाने हेतु सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनाँक 15/12/2026 को समय 15:00 बजे टेण्डर बाक्स में डाली जा सकती है। जो उसी दिन समय 15:30 बजे खोली जाएगी। निविदा फार्म दिनांक 14/12/2026 तक समय 1700 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है साथ ही अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 14/12/2026 तक सम्पर्क किया जा सकता है।

पंत्राक 2000/दु0स0/छा0प0 **मुख्य अधिशासी अधिकारी**
कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन **छावनी परिषद् लैन्सडौन**
दिनॉक नवम्बर 2026
(0570/67)

पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों को किया सम्मानित

गबर सिंह कैम्प कोटद्वार में पूर्व सैनिक एवं वीर नारी रैली का सफल आयोजन



जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र लैंसडाउन द्वारा शनिवार को कोटद्वार स्थित विक्टोरिया क्रास गबर सिंह कैम्प में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों के लिए एक व्यापक कल्याण रैली का आयोजन किया गया। यह आयोजन लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राना, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, पीएचडी, कर्नल ऑफ दा रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स और गढ़वाल स्काउट्स की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर 1965, 1971, 1999 और अन्य सैन्य अभियानों में राष्ट्र के लिए अमूल्य योगदान देने वाले विशिष्ट पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों को सम्मानित किया गया।

रैली का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण करना था। रैली के दौरान बड़ी भारी संख्या में पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों तक पहुंचने का प्रयास किया गया। रैली में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों को सैन्य एवं सिविल प्रशासन दोनों के साथ, एक साथ बातचीत करने अनिर्णीत व लम्बित मुद्दों को हल करने और सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही नवीनतम सुविधाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए एक संयुक्त मंच प्रदान किया गया। इस मौके पर गढ़वाल राइफल्स अभिलेख कार्यालय, स्टेशन मुख्यालय लैंसडौन, भुल्ली सशक्तिकरण केंद्र, अभिलेख कार्यालय कुमाऊँ रेजिमेंट, वेतन विभाग कार्यालय लैंसडौन, सेना चिकित्सा कोर, सेना भर्ती कार्यालय लैंसडौन, भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना कार्यालय लैंसडौन, वार मेमोरियल ब्वाइज एंड गर्ल्स हास्टल देहरादून, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, लैंसडौन सहित राजस्व विभाग, भारतीय जीवन बीमा निगम, आधार एवं स्थाई खाता संख्या (पैन) कार्ड, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम और बैंकों सहित आदि स्टाल लगाए गये, इन स्टालों के माध्यम से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों को विभिन्न योजनाओं, पेंशन सम्बन्धी मामलों एवं अन्य कल्याणकारी सुविधाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, श्रीमती रेखा नेगी चेयरपर्सन, परिवार कल्याण संगठन, जीआरआरसी, लैंसडौन एवं सेना व सिविल प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विक्टोरिया क्रास गबर सिंह कैम्प में खुली सीएसडी कैंटीन

मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राना, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, पीएचडी, कर्नल ऑफ दा रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स एवं गढ़वाल स्काउट्स द्वारा 15 गौरवशाली पूर्व सैनिकों को भारतीय सेना से रिटायर्ड होने बाद भी समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं को सेना में भर्ती हेतु प्रशिक्षण, जरूरतमंदों की सहायता, वीर नारियों एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण, स्वास्थ्य, रोजगार तथा सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया, साथ ही वीर नारियों को को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर विक्टोरिया क्रास गबर सिंह कैम्प, कोटद्वार में सीएसडी कैंटीन का उद्घाटन भी किया गया। इस सुविधा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों को लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी।

मांगों को लेकर भोजन माताओं ने दिया धरना



पुरोला। लंबित मांगों के निराकरण को लेकर भोजन माताओं ने शनिवार को तहसील परिसर पुरोला में धरना प्रदर्शन किया। विद्यालयों में निर्धारित कार्य निपटाने के बाद धरने पर पहुंचीं भोजन माताओं ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए मांगों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि एक दिसंबर तक सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशभर में कार्यबहिष्कार शुरू किया जाएगा। भोजन माताओं ने कहा कि वे लंबे समय से विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के संचालन की जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने सरकार से मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करने, 12 माह का वेतन देने, राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने और विद्यालय बंद होने की स्थिति में अन्य विद्यालयों में समायोजित करने की मांग की। धरना देने वालों में सुभद्रा देवी, वीना देवी, रुक्मणि देवी, सुनीता, सरोज, शैला देवी, सुरतमा और जमोत्री देवी आदि मौजूद रहीं।

चंबा पहुंची श्री शंकराचार्य संदेश यात्रा का लोगों ने किया स्वागत



चंबा (टिहरी)। सनातन संस्कृति के प्रचार–प्रसार और देवभूमि की धार्मिक विरासत के संरक्षण का संदेश लेकर निकली श्री शंकराचार्य संदेश यात्रा चंबा पहुंची। ज्योतिर्मठ से शुरू हुई 21 दिवसीय यात्रा उत्तराखंड के तीर्थस्थलों, धार्मिक परंपराओं और लोक संस्कृति के संरक्षण के साथ गांव–गांव तक धर्म जागरण का संदेश दे रही है।चंबा पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा दल ने सुरकंडा मंदिर पहुंचकर पूजा–अर्चना की। यहां गबर सिंह स्मारक और श्रीदेव सुमन स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। बैठक में स्वामी प्रत्यक्षैतन्यमुकुन्दानंद गिरि ने संबंधों, संस्कारों और गुरु परंपरा के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति केवल पूजा–पद्धति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन–दृष्टि, संस्कार और समाज को जोड़ने वाली आध्यात्मिक चेतना है।अनुसूया प्रसाद उनियाल ने कहा कि श्री शंकराचार्य संदेश यात्रा सनातन संस्कृति के जागरण, देवभूमि की तीर्थ परंपरा के संरक्षण, धार्मिक विरासत के दस्तावेजीकरण, गोवंश एवं धर्म संरक्षण और संगठन को गांव–गांव तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अभियान है। इस मौके पर पूर्व मंत्री लाखी राम जोशी, राकेश रणा, नरेंद्र चंद रमोला, कीर्ति सिंह बिष्ट, व्यापार सभा अध्यक्ष बलबीर सिंह पुंडीर, सोमवारी लाल सकलानी, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष संजय रावत आदि मौजूद रहे।

नशा तस्करी और साइबर ठगी में कार्रवाई करे पुलिस



नई टिहरी। मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने, नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने और साइबर अपराधों की विवेचनाओं को समय से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी सरिता डोबाल ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और साइबर सेल की बैठक लेते हुए कहा कि नशा तस्करी और साइबर अपराधों से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने एएनटीएफ को पिछले पांच साल के नशा तस्करों की स्थिति का रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बार–बार नशा तस्करी में संलिप्त पाए जाने और संगठित रूप से मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ साक्ष्य एकत्रित कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करें। साइबर अपराधों की विवेचनाओं में तेजी लाने और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए एसएसपी डोबाल ने साइरब अपराध में प्रयुक्त बैंक खातों का विवरण पोर्टल से प्राप्त रिपोर्ट, डिजिटल साक्ष्य और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारियां संबंधित विवेचकों को समय से उपलब्ध कराने को कहा।

पीपलकोटी में आधी रात घर से निकली महिला, अगले दिन खाई में मिला शव



चमोली। पीपलकोटी में एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में खाई में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को खाई से बाहर निकाला। महिला की पहचान नीलम वर्मा (52) पत्नी विजेंद्र वर्मा, निवासी पीपलकोटी और मूल निवासी सुनारों वाली गली, जिला बदायूं के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, नीलम की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह अचानक आधी रात को घर से कहीं चली गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। दोपहर के समय उन्हें नीचे की तरफ चप्पल दिखाई दीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाश की तो पीपलकोटी बस स्टैंड से नीचे की ओर रंगल डीप के पास महिला खाई में गिरी मिली। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार

जागर सम्राट भरतवाण के गीतों पर देर रात तक झूमे दर्शक



नई टिहरी। त्रिवेणी कौथिग की दूसरी सांस्कृतिक संध्या जागर सम्राट पद्मश्री डॉ. प्रीतम भरतवाण और उनकी टीम के नाम रही। प्रीतम भरतवाण ने जागरों और अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति से दर्शकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं, स्कूली छात्र–छात्राओं और स्थानीय सांस्कृतिक दलों ने भी रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहा।

नगर पालिका टिहरी की पहल पर बौराड़ी स्टेडियम में आयोजित त्रिवेणी कौथिग की दूसरी सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ शुक्रवार शाम एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी और नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने किया। एडीएम नेगी ने नगर पालिका के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र की पहचान उसकी संस्कृति से होती है। पालिकाध्यक्ष रावत ने कहा कि पुरानी टिहरी की सभ्यता और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है।टीएचडीसी के डीजीएम मोहन सिंह श्रीस्वाल ने कहा कि मेले आपसी मेलजोल और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। इसके बाद मंच पर पहुंचे जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण ने रूमा झूमा, संध्या और मेरी हिमवंत देशा की प्रस्तुति दी। ग्रुप नृत्य में लाडी बेडूले, मोरी रख्या खोली, मेरा मुलुक चली घुमी और कैमरा का बीच की प्रस्तुति ने मोहा। उनके भतीजे प्रद्युम्न भरतवाण ने राज राजेश्वरी जागर और बिन्दुली में उनका साथ दिया। प्रीतम भरतवाण ने मेरी किमसारी हाट, सब कथा हवे गैन, सरुली, मेरी गजणा, मोहन तेरी मुरली, सुंदरा छोरी स्यो पक्या और ताउनसा भो गीतों की प्रस्तुति दी। इससे पहले सेंट ऐंथोनी पब्लिक स्कूल, डायट टिहरी, पार्वती कीर्तन मंडली, गीता भवन कीर्तन मंडली बौराड़ी, मॉडल स्कूल नई टिहरी, ऐश्वर्य ग्रुप और पीजी कॉलेज की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

74 मंडलों का किया गठन अब चुनाव के लिए तैयार कांग्रेस : जिलाध्यक्ष

नई टिहरी। कांग्रेस कार्यालय बौराड़ी में आयोजित संवाद कार्यक्रम में पार्टी जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल का एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष का स्वागत और अभिनंदन किया। खंडवाल ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी संगठन पूरी तरह तैयार है।

जिले में 74 मंडलों का गठन करने के साथ बूथ कमेटियां भी बनाई जा चुकी हैं। प्रदेश की जनता कांग्रेस से उम्मीदें लगाए बैठी है और पार्टी के पक्ष में माहौल बन रहा है। कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि विपक्ष की भूमिका निभाते हुए संगठन ने बीते एक साल में पार्टी की ओर से निर्धारित लक्ष्यों को जनता तक पहुंचाने का काम किया है।

मनरेगा योजना के स्वरूप में बदलाव के विरोध में संगठन ने कई दिनों तक आंदोलन चलाया। अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग, परिवर्तन संकल्प यात्रा, पेपर लीक और महंगाई जैसे मुद्दों पर भी धरना–प्रदर्शन कर सरकार को घेरने का काम किया। इस मौके पर महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष सीमा कृषाली, शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार, आनंद सिंह बेलवाल, ज्योति प्रसाद भट्ट, विशन सिंह रंगड़ आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारे युवाओं में प्रतिभा है, परिश्रम करने का सामर्थ्य है और कुछ नया करने का जुनून है। आज हमारे युवा शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल, उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। जिस देश का युवा जागरूक, शिक्षित, संस्कारवान और राष्ट्र के प्रति समर्पित होता है, उस देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता।

उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने शनिवार को एक स्थानीय वैडिंग प्वाइंट में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा आयोजित ह्वसंवादह्व कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि संवाद किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। संवाद से विचारों का आदान-प्रदान होता है, नई ऊर्जा का संचार होता है और भविष्य की दिशा तय होती है। श्री महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने युवाओं को अवसर देने, उनके कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की हैं। स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उत्तराखण्ड के युवाओं में प्रतिभा और परिश्रम की कोई कमी नहीं है। पर्यटन, तीर्थाटन, योग, आयुष, कृषि, बागवानी, स्थानीय उत्पाद, स्वरोजगार और साहसिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा पलायन की समस्या को कम करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित रहने वाला संगठन नहीं है, बल्कि यह समाज के बीच सकारात्मक परिवर्तन का वाहक है। महाराज ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं और समाज के अंतिम व्यक्ति की समस्याओं को सरकार एवं संगठन के समक्ष रखें। कार्यक्रम में भाजयुमो राष्ट्रीय मंत्री अरमान जोत वरार, प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी आर्यन देव उनियाल, विधानसभा प्रभारी दर्शन दानू, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शुयश रावत, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गणेश नेगी राकी, भाजयुमो एकेश्वर मंडल अध्यक्ष राजशेखर जोशी, सतपुली अध्यक्ष अंकित कुमार, पोखड़ा अध्यक्ष नीरज धस्माना, बीरोंखाल अध्यक्ष नागेन्द्र नेगी, सर्वेन्द्र कुमार, राजेश्वर जोशी, शैलेन्द्र दर्शन, अंकित कुमार, राकेश नैथानी, ओमपाल बिष्ट सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

डबल इंजन की सरकार विकास के प्रति संकल्पबद्ध : महाराज

महाराज ने किया 762.18 लाख की सड़कों का लोकार्पण-शिलान्यास



जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने शनिवार को विकासखण्ड एकेश्वर के ग्राम गोर्ली के निकट धामलू स्थित शिव मंदिर परिसर में 762.18 लाख की धनराशि की सड़कों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने एकेश्वर ब्लॉक के अन्तर्गत 66.90 लाख की धनराशि से निर्मित डीब बैण्ड से किमोली मोटर मार्ग के डामरीकरण और 189.70 लाख की लागत से निर्मित पाटीसैंण तछवाड़ मोटर मार्ग के सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्य का लोकार्पण करने के साथ-साथ 505.58 लाख रुपए की धनराशि से बनने वाली भंडारी गांव-मोन्दाडी-पर्याण मोटर मार्ग का भी शिलान्यास किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि देश एवं प्रदेश का विकास केवल भाजपा सरकारें ही कर सकती हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड पर्यटन, तीर्थाटन, योग सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। सड़कों की कनेक्टिविटी, रोप-वे परियोजनाओं और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन ने आज प्रदेश को विश्व स्तरीय डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर दिया है। डबल इंजन की सरकार विकास के प्रति संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है और प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी दर्शन दानू, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शुयश रावत, एकेश्वर भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश नैथानी, सर्वेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र दर्शन, ओमपाल बिष्ट, सतराज नेगी, बृजमोहन रावत, नरेन्द्र डंडरियाल, सीमा सजवाण, गणेश नेगी, प्रभुशरण बुडाकोटी, राकेश गौड़, देवेन्द्र भट्ट, नीलम रावत आदि मौजूद थे।

राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभाग करेंगे छह बाल वैज्ञानिक

उत्तरकाशी। जनपद के छह बाल वैज्ञानिक राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में उत्तरकाशी का प्रतिनिधित्व करेंगे। पीएमश्री राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी के सभागार में आयोजित 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छह छात्राओं की परियोजनाओं का राज्य स्तर के लिए चयन किया गया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता दो और तीन दिसंबर को हल्द्वानी स्थित फॉरेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित होगी।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित जनपद स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में भटवाड़ी, डुंडा, चिन्यालीसौड़, नौगांव, पुरोला और मोरी विकासखंड के विद्यालयों से चयनित 76 बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। इस वर्ष की मुख्य विषयवस्तु सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार पर छात्राओं को अपनी वैज्ञानिक परियोजनाओं और शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया।

चयनित छात्राओं में जीआईसी की वैष्णवी राणा, बर्नीगाड़ की साक्षी, नेताला की सृष्टि, डुंडा की उर्वशी, बड़कोट की श्रेया और गढ़ बरसाली की मुस्कान शामिल हैं।

नशा तस्करी और साइबर ठगी में कार्रवाई करे पुलिस



नई टिहरी। मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने, नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने और साइबर अपराधों की विवेचनाओं को समय से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी सरिता डोबाल ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और साइबर सेल की बैठक लेते हुए कहा कि नशा तस्करी और साइबर अपराधों से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने एएनटीएफ को पिछले पांच साल के नशा तस्करों की स्थिति का रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बार–बार नशा तस्करी में संलिप्त पाए जाने और संगठित रूप से मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ साक्ष्य एकत्रित कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करें। साइबर अपराधों की विवेचनाओं में तेजी लाने और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए एसएसपी डोबाल ने साइरब अपराध में प्रयुक्त बैंक खातों का विवरण पोर्टल से प्राप्त रिपोर्ट, डिजिटल साक्ष्य और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारियां संबंधित विवेचकों को समय से उपलब्ध कराने को कहा।

गजा पीएचसी बना 30 बेड का सीएचसी, 24 पदों को मिली मंजूरी

नई टिहरी। गजा क्षेत्रवासियों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गजा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उच्चीकृत करने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अस्पताल में बेड की क्षमता चार से बढ़ाकर 30 कर दी गई है। उच्चीकृत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधीक्षक सहित विभिन्न श्रेणियों के 24 पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी गई है। स्वास्थ्य सचिव विनय शंकर पांडेय की ओर से बीते 27 नवंबर को इस संबंध में शासनादेश जारी किया गया। शासनादेश के अनुसार उच्चीकृत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधीक्षक, जनरल सर्जन, निश्चेतक, फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, चिकित्साधिकारी और दंत शल्य चिकित्सक के एक–एक पद स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा तीन नर्सिंग अधिकारी, फार्मेसी अधिकारी, लैब टेक्नीशियन, एक्सरे टेक्नीशियन, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और कनिष्ठ सहायक के एक–एक पद को मंजूरी दी गई है। वहीं, आउटसोर्स के माध्यम से आठ पदों पर भी तैनाती की व्यवस्था की गई है। बीते मई माह में घंटाकर्ण महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गजा अस्पताल के उच्चीकरण की घोषणा की थी। स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक सुबोध उनियाल ने कहा कि उच्चीकृत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गजा का जल्द उद्घाटन किया जाएगा। अस्पताल के उच्चीकरण होने पर नगर पंचायत अध्यक्ष कुंवर सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य ताजबीर खाती, जोत सिंह असवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश रावत, सुनील चौहान, भगवान सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल का आभार जताया है।

फकोट में 108 किसानों को बांटा 1.20 करोड़ का ऋण

नरेंद्रनगर (टिहरी)। ब्लॉक मुख्यालय फकोट में आयोजित सहकारिता ऋण मेले में 108 किसानों को 1.20 करोड़ रुपये के ऋण के चेक वितरित किए गए। पंडित दीनदयाल किसान कल्याण योजना के तहत किसानों को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण दिया गया। योजना के तहत मिले ऋण से किसान खेती–बागवानी के साथ ही अन्य आजीविका के साधन विकसित कर सकेंगे।

ऋण मेले का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख दीक्षा राणा, जिला सहायक निबंधक पान सिंह राणा ने किया। ब्लॉक प्रमुख दीक्षा ने कहा कि ब्याज मुक्त ऋण काश्तकारों की आजीविका के साधन बढ़ाने में मददगार साबित होगा। युवाओं को भी नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय कृषि और इससे जुड़े स्वरोजगार के क्षेत्रों में आगे आने की जरूरत है।

बैणी–भुली योजना से कांग्रेस के पेट में हो रहा दर्द : खजानदास

नई टिहरी। भाजपा के विस्तारित जिला कार्यसमिति की बैठक में विभिन्न राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यकर्ताओं ने सरकार के कार्यों के दम और पार्टी संगठन की रणनीति के अनुरूप प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत का संकल्प लिया। शनिवार को बौराड़ी में जिलाध्यक्ष उदय रावत की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक हुई। जिला प्रभारी सते सिंह राणा, समाज कल्याण मंत्री खजानदास ने बैठक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर प्रदेश में भाजपा की 2027 में हैट्रिक बनेगी। मंत्री खजानदास ने कहा कि बैणी–भुली योजना शुरू भी नहीं हुई कि कांग्रेस के पेट में दर्द होने लगा है।

प्रदेश मंत्री नलिन भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, राजेश नौटियाल ने राजनीतिक प्रस्ताव पढ़े। कहा कि कार्यकर्ता आपसी समन्वय बनाकर इस बार सभी 6 सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए मेहनत करें। घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह, देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम और सरकार के कामों की वजह से प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने कुवैत पर ड्रोन से हमला किया : इटली के 2 लोगों की मौत

कुवैत सिटी, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को कुवैत पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में इटली के 2 नागरिकों की मौत हो गई है। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सेना ने ड्रोन को हवा में ही मार गिराया था, लेकिन चार लोग उसके मलबे की चपेट में आ गए। एक पाकिस्तानी और एक कुवैती नागरिक भी घायल हुए हैं। इटली के विदेश मंत्रालय ने बताया कि मारे गए दोनों नागरिक एयर डिफेंस टेक्नीशियन थे। वे कुवैत में एक डिफेंस कंपनी के लिए काम कर रहे थे और रडार सिस्टम के रखरखाव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। कुवैत में इटली की सैन्य मौजूदगी भी है। कुवैत में इटली के राजदूत लोरेंजो मोरिनी ने 4 नवंबर को बताया था कि वहां करीब 400 इटली के सैनिक तैनात हैं। इनमें से ज्यादातर एक एयरबेस पर तैनात हैं। राजदूत के मुताबिक, ईरान युद्ध के दौरान इटली के सैनिकों को कई हफ्तों तक बंकरों और सुरक्षित ठिकानों में रहना पड़ा था। इसके बावजूद उन्होंने कुवैत में अपनी तैनाती जारी रखी। इजराइल ईरान पर कभी भी हमला कर सकता है। इजराइली सेना ने गुरुवार को कहा कि वह अमेरिका की मदद के बिना भी ईरान पर पूरी ताकत से सैन्य कार्रवाई करने को तैयार है। सेना के प्रवक्ता एफी डिफ्रिन ने सरकारी ब्रॉडकास्टर कान से कहा कि सेना हालात पर नजर रख रही है और किसी भी वक्त हमला कर सकती है।

सदी के अंत तक 140% तक बढ़ सकती हैं बिजली गिरने की घटनाएं

बर्लिन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि सदी के अंत तक धरती पर बादलों से जमीन पर गिरने वाली बिजली की घटनाएं मौजूदा स्तर के मुकाबले 76 से 140 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका के अलास्का जैसे ठंडे इलाकों में भी बिजली गिरने की घटनाओं में 594 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। यह खुलासा अर्थ्स फ्यूचर जर्नल में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में हुआ है। जर्मनी के टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख के शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग की मदद से भविष्य में बिजली गिरने के संभावित पैटर्न का आकलन किया है। अध्ययन में तापमान, बारिश, नमी, वायुदाब, हवा की गति और सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा जैसे कारकों को शामिल किया गया। बिजली गिरने की एक बड़ी वजह धरती की सतह का गर्म होना और उससे वातावरण में पैदा होने वाली हलचल है। आकाशीय बिजली जंगलों में आग लगने, पेड़ों को नुकसान पहुंचाने और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बाधित करने का भी बड़ा कारण बन सकती है। शोधकर्ताओं की चिंता इस बात को लेकर भी है कि क्या तूफानों के शुरुआती चरण में बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ेंगी। ऐसा हुआ तो खुले मैदानों, खेतों और निर्माण स्थलों पर काम करने वाले लोगों के लिए खतरा और बढ़ सकता है। बदलते मौसमी मिजाज के साथ आसमान का व्यवहार भी बदल सकता है।

पिता ने अंतरिक्ष में सुनी बेटी के जन्म की खुशखबरी : धरती से सैकड़ों किमी दूर मनाया जश्न, आईएसएस पर हैं तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में तैनात एक पिता के लिए बेटी के जन्म की खबर किसी अनमोल तोहफे से कम नहीं थी। कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जोशुआ कुट्रिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपना पहला अंतरिक्ष मिशन पूरा कर रहे हैं, इसी दौरान उनकी पत्नी हीदर कुट्रिक ने एक बेटी को जन्म दिया। अंतरिक्ष की दूरियों के बीच परिवार में आई इस नई खुशी ने उनके छह महीने के मिशन को एक यादगार व्यक्तिगत अनुभव में बदल दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी ने दंपती के घर बेटी के जन्म की जानकारी साझा की। एजेंसी की ओर से जारी बयान में जोशुआ और हीदर ने कहा, हमारे बीच इतनी दूरी होने के बावजूद अपनी नन्ही परी के परिवार में आने पर हम एक-दूसरे से बेहद जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। जोशुआ इतिहास में ऐसे केवल चौथे अंतरिक्ष यात्री हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहते हुए अपने बच्चे के जन्म के मौके से दूर रहना पड़ा है। दंपती ने कहा कि उन्हें अपने परिवार के दोबारा एकजुट होने का बेसब्री से इंतजार है। कुट्रिक का अंतरिक्ष मिशन बचपन से देखा गया उनका सपना था। दंपती ने कहा कि वे अपने बच्चों को यह सिखाना चाहते हैं कि बड़े सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत और दृढ़ संकल्प जरूरी हैं। परिवार और समुदाय का सहयोग मिले।

ट्रंप का बड़ा बयान: रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 'डील' करना चाहेंगे पुतिन

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए 'एक डील करना चाहेंगे' और कहा कि उनकी प्राथमिकता जान के नुकसान को रोकना है. साथ ही उन्होंने रूसी लीडर के साथ रिश्ते बनाए रखने के अपने तरीके के बारे में भी बताया.

गुरुवार (लोकल टाइम) को फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो घर से अमेरिकी मिलिट्री के लोगों के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप के साथ थैंक्सगिविंग कॉल पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह मॉस्को के साथ एक एग्रीमेंट करना चाहते हैं और कहा कि पुतिन के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखना बातचीत के प्रोसेस के लिए जरूरी है. पुतिन को पहले दोस्त बताने और बाद में रूसी मिलिट्री हमले पर अपनी बातों के बारे में एक रिपोर्टर के सवाल का जवाब देते हुए, ट्रंप ने कहा, 'ठीक है, बातें कही जा सकती है, लेकिन देखिए, आपको कुछ समझना होगा. हम एक डील करना चाहते हैं. हम मारना बंद करना चाहते हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'मैं कह सकता हूं कि वह दोस्त नहीं है या इसके साथ नहीं है- ठीक है, मैं एक डील करना चाहता हूं. मुझे एक डील करनी है. वे हर महीने 25,000 लोगों को खो रहे हैं.' अपने तरीके को समझाते हुए, ट्रंप ने कहा कि पुतिन के प्रति दुश्मनी



दिखाने से समझौते की कोशिशें मुश्किल हो सकती हैं. ट्रंप ने कहा, 'आप जानते हैं, उस सेटलमेंट में उनकी सबसे बड़ी प्रॉब्लम यह है कि आपके पास दो लीडर हैं जो सच में एक-दूसरे से नफरत करते हैं, ठीक है?' उन्होंने अमेरिकी पॉलिटिक्स में कथित रूसी दखल की जांच का भी जिक्र किया, जिसे उन्होंने 'फेक' जांच कहा, और फिर दोहराया कि पुतिन के साथ उनकी हालिया बातचीत सकारात्मक रही थी. तो, हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई. बॉटम लाइन यह है कि वह एक डील करना चाहेंगे, ' ट्रंप ने कहा. यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें उम्मीद है कि पुतिन फ्लोरिडा में अपने डोरल रिसॉर्ट में आने वाले जीन20 समिट में शामिल होंगे, ट्रंप ने कहा कि उन्हें पक्का नहीं पता लेकिन वह रूसी लीडर का स्वागत करेंगे. 'मुझे नहीं पता, लेकिन अगर वह आना चाहते हैं, तो वह निश्चित रूप से आ सकते हैं. उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आएगा.' ग्रुप ऑफ एट में रूस की पिछली मेंबरशिप को याद करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट बराक ओबामा चाहते थे कि रूस को इस ग्रुप से हटा दिया जाए, और कहा कि इस फैसले से पुतिन की 'बहुत बेइज्जती' हुई. ट्रंप ने आगे कहा, 'जब वह ज8 के मेंबर थे, अगर वह मेंबर बने रहते -- प्रेसिडेंट ओबामा उन्हें बाहर करना चाहते थे, और अगर वह मेंबर बने रहते, तो शायद अभी यह जंग नहीं होती. जब ऐसा हुआ तो उनकी बहुत बेइज्जती हुई. और अब यह जी7 है, और सच कहूँ तो, हम बस रूस के बारे में बात करते हैं. मैंने कहा, 'वह यहाँ क्यों नहीं है?' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना ??है कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो मुझे सच में पक्का यकीन है कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो अभी यह जंग नहीं चल रही होती. फर्स्ट लेडी को लोगों को बाहर निकालने के लिए सीजफ़ायर करवाने की कोशिश नहीं करनी पड़ती. कुछ लोग बहुत बूढ़े हैं, और लोगों को बाहर निकालते हैं.' गुरुवार (लोकल टाइम) को ट्रुथ सोशल पर एक अलग पोस्ट में ट्रंप ने चीन में पुतिन के साथ अपनी हालिया बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने रूसी लीडर से यूक्रेन के साथ एक एग्रीमेंट को आसान बनाने के लिए पूरे यूरोप में मिलिट्री अटैक वापस लेने की अपील की थी. ट्रंप ने लिखा, 'चीन में रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के दौरान, मैंने इस बात पर बहुत समय बिताया कि मैं चाहूंगा कि प्रेसिडेंट पुतिन पूरे यूरोप के इलाकों के खिलाफ सभी मिलिट्री हमले वापस ले लें, इस उम्मीद में कि रूस और यूक्रेन के बीच एक डील हो सकती है, और जल्दी हो सकती है.' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सच में लगता है कि यह एक मजबूत संभावना है. हर महीने हजारों लोग मारे जा रहे हैं, एक पूरा खून-खराबा, और यह सभी के लिए एक बड़ी श्रद्धांजलि होगी!' ट्रंप की यह बात मार-ए-लागो में नाटो (ह्वञह्व) सेक्रेटरी जनरल मार्क रूटे के साथ उनकी मीटिंग के बाद आई. मीटिंग के बाद जारी एक जॉइंट स्टेटमेंट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान में संघर्ष पर चर्चा की, जिसमें रूस को ऐसे कामों से बचने की जरूरत भी शामिल थी जो संघर्ष को बढ़ा सकते हैं और शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत भी शामिल थी. ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने पुतिन के साथ अपनी हाल की बातचीत के बारे में रूटे को जानकारी दी थी. यह डेवलपमेंट 19 नवंबर को ट्रंप, पुतिन और चीन के प्रेसिडेंट शी जिनपिंग के बीच शेनझेन, चीन में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के दौरान हुई मीटिंग के बाद हुआ है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी नीतियों पर जताई गहरी नाराजगी, कहा– ट्रंप का ध्यान रूस से ज्यादा मध्य-पूर्व पर

कीव / वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका की विदेश नीति और सैन्य सहायता में हो रही देरी को लेकर खुलकर नाराजगी जाहिर की है। कीव स्थित अपने केंद्रीय कार्यालय में बीबीसी की दक्षिणी और पूर्वी यूरोप संवाददाता सारा रेंसफ़ोर्ड को दिए एक विशेष इंटरव्यू में जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति में हो रही देरी के कारण यूक्रेन के नागरिकों की जान जा रही है। उन्होंने यह भी शिकायत की कि युद्ध समाप्त करने के लिए जारी शांति वार्ता के दौरान अमेरिकी प्रशासन रूस पर पर्याप्त कूटनीतिक दबाव नहीं बना रहा है।

पुतिन को 'दोस्त' बताने पर भड़के जेलेंस्की; द्वितीय विश्व युद्ध के हिटलर से की तुलनागले मिलने की तस्वीर पर जताया ऐतराजः इंटरव्यू के दौरान जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गले मिलते हुए अपनी तस्वीर साझा करने और उन्हें 'मेरा दोस्त' संबोधित करने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। जेलेंस्की ने कहा, 'बेशक, यह अमेरिकी राष्ट्रपति पर निर्भर करता है, लेकिन यह बेहद अजीब है। वह (पुतिन) हमलावर हैं और हत्यारे हैं... वह दोस्त नहीं हो सकते, बिल्कुल नहीं।' यूक्रेनी राष्ट्रपति ने इस कदम की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एडोल्फ हिटलर को अपना मित्र बताने जैसी स्थिति से की। मध्य-पूर्व पर ध्यान केंद्रित करने से यूक्रेन में निराशाः जेलेंस्की ने कहा कि यह बेहद अफसोसजनक और दुखद है कि अमेरिका ने अपना मुख्य ध्यान मध्य-पूर्व (मिडिल ईस्ट) पर केंद्रित कर दिया है और वहां के लोगों की अधिक मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर यूक्रेन के पास कई बड़े सवाल हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ हुई तीखी बहस के बाद से ही जेलेंस्की अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर बेहद सतर्क रुख अपना रहे हैं।

शांति वार्ता के बीच रूस अपने पुराने सख्त रुख पर कायम; ट्रंप ने जताई समझौते की उम्मीदअमेरिकी दूतों की भूमिका और रूस का रुखः वर्तमान में ट्रंप के दो विशेष दूत रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने तथा बड़े पैमाने पर हो रही जनहानि को रोकने के लिए शांति समझौते पर मध्यस्थता कर रहे हैं। हालांकि, राजनयिक हलकों में कई बार यह महसूस किया जा रहा है कि अमेरिकी दूत यूक्रेन के बजाय रूस के दृष्टिकोण से अधिक सहमत नजर आते हैं। दूसरी ओर, रूस के ताजा सार्वजनिक बयानों से संकेत मिलता है ट्रुथ सोशल पर ट्रंप का बयानः इसी बीच, गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा कि पिछले सप्ताह चीन में पुतिन के साथ हुई।

बांग्लादेश में शेख हसीना के पूर्व उप प्रेस सचिव समेत तीन गिरफ्तार

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व उप प्रेस सचिव समेत तीन लोगों को गुरुवार तड़के राजधानी ढाका में गिरफ्तार किया गया. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, हसीना के पूर्व उप प्रेस सचिव केएम शखावत मून और दो अन्य लोगों को ढाका के धानमंडी-27 इलाके से हिरासत में लिया गया. गिरफ्तार किए गए अन्य दो लोगों में पूर्व उपायुक्त मोहम्मद इलियास हुसैन और आयकर अधिवक्ता सूफी मोहम्मद अल मामून शामिल हैं. 'द डेली स्टार' अखबार के अनुसार, जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तीनों को ढाका के धानमंडी इलाके में पकड़ लिया, जिसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया. जेसीडी सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का छात्र संगठन है. मोहम्मदपुर थाने के ड्यूटी अधिकारी उपनिरीक्षक मसूदुर रहमान ने बताया कि पुलिस तीनों को अदालत में पेश करने की तैयारी कर रही है. इस बीच, हसीना की अगले महीने प्रस्तावित वापसी को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच बीएनपी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी है. सीमा सुरक्षा बल के 108 प्लाटून तैनात किए गए हैं, जिनमें से 56 हसीना के गृह जिले गोपालगंज में तैनात हैं. हसीना की संभावित वापसी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह में बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुई हैं. इनमें ट्रेन, बस और बैंकों को आग लगाने की घटनाएं भी शामिल हैं. हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के कारण उनकी सरकार गिरने के बाद ढाका छोड़कर भारत चली गई थीं और तब से भारत में रह रही हैं. पुलिस ने हालिया हिंसक घटनाओं के लिए अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है. सुरक्षा बढ़ाने के पीछे आशंका है कि हसीना के समर्थक आने वाले दिनों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं तेज कर सकते हैं. प्रतिबंधित अवामी लीग ऑनलाइन माध्यमों से 29 और 30 नवंबर को लॉकडाउन कार्यक्रम का प्रचार कर रही है।

अवामी लीग ने आज से देशभर में लॉकडाउन का ऐलान किया है। पार्टी ने हसीना की वापसी, राजनीतिक गतिविधियों पर लगी रोक हटाने और राजनीतिक बंदियों की रिहाई समेत 8

अमेरिका में तूफान से 9 लाख घरों की बिजली गुल:1800 फ्लाइट्स लेट, 400 रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान से तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण 9 लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई। वहीं, 1800 फ्लाइट्स लेट हुईं और 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पूर्वी तट पर समुद्र का पानी 14 साल में सबसे ऊंचे लेवल पर पहुंच सकता है। तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। पूर्वी तट पर 'नॉरईस्टर' नाम का तूफान आगे बढ़ रहा है। इसके चलते न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और आसपास के इलाके प्रभावित हुए हैं।



थैंक्सगिविंग के लिए यात्रा कर रहे लोगों की परेशानी बढ़ी : खराब मौसम के कारण लाखों लोगों की यात्रा प्रभावित हो रही है। थैंक्सगिविंग अमेरिका का बड़ा त्योहार है। इस दौरान लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए दूसरे शहरों में जाते हैं। ऐसे में हवाई सफर में देरी से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

इसका असर सिर्फ हवाई सफर पर ही नहीं, बल्कि त्योहार के कार्यक्रमों पर भी पड़ा है। न्यूयॉर्क में होने वाली मशहूर थैंक्सगिविंग डे परेड को शनिवार तक के लिए टाल दिया गया है। यह परेड का 100वां साल है और इसके इतिहास में पहली बार इसे टालना पड़ा है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने तूफान के खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया है। परेड की आयोजक कंपनी मैसीज ने कहा कि लोगों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

तेज लहरों से तटीय ढांचों को नुकसान : अमेरिका के पश्चिमी तट पर समुद्र में उठ रही तेज लहरों ने किनारे बने कई ढांचों को नुकसान पहुंचाया है। सैन डिएगो के आसपास समुद्र का पानी पुराने रिकॉर्ड से भी ऊपर पहुंच गया। इससे आसपास के निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, पूर्वी तट पर 2012 में आए सुपरस्टॉर्म सैंडी के बाद समुद्र का जलस्तर सबसे ज्यादा होने का अनुमान है। डेलावेयर और न्यू जर्सी के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के कारण बिजली की लाइनें टूटने और सप्लाई बंद होने का खतरा बना हुआ है। मौसम का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक सीमित नहीं है।

अमेरिका के मध्य हिस्सों में बुधवार से शुक्रवार तक बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान है। इससे कई इलाकों में ठंड और बढ़ सकती है। इसके अलावा पैसिफिक नॉर्थवेस्ट इलाके में बुधवार रात से बारिश और तेज हवाओं का एक और दौर शुरू होने की आशंका है। यानी देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को अभी खराब मौसम से राहत मिलने की उम्मीद कम है। नॉरईस्टर अमेरिका के पूर्वी तट पर आने वाला तेज तूफान है। इसका नाम इसलिए पड़ा क्योंकि इस दौरान हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से चलती हैं।

बांग्लादेशी मंत्री बोले- दिसंबर में सर्दी आएगी, हसीना नहीं : सरकार ने पूर्व क्रूरक के गृह-जिले का फंड रोका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी को लेकर सियासी तनाव बढ़ गया है। हसीना ने 16 दिसंबर को देश लौटने की बात कही है। इस पर विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने तंज कसते हुए कहा कि दिसंबर में सिर्फ सर्दी आएगी, हसीना नहीं। इस बीच, सरकार ने शेख हसीना के गृह जिले गोपालगंज में विकास के लिए मिलने वाला पैसा रोक दिया है। जिले की कम से कम 5 ट्रेनें बंद हैं और दो पुलिस थानों में भी कामकाज ठप है।

अवामी लीग ने आज से देशभर में लॉकडाउन का ऐलान किया है। पार्टी ने हसीना की वापसी, राजनीतिक गतिविधियों पर लगी रोक हटाने और राजनीतिक बंदियों की रिहाई समेत 8



मांगें रखी हैं। सरकार ने भी हालात को देखते हुए सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

हिंसा के बाद सरकार ने रोकी आर्थिक मदद : गोपालगंज में 15 नवंबर को अवामी लीग के सैकड़ों समर्थकों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों, पुलिस थानों और क्रूरक नेताओं की संपत्तियों में आग लगा दी थी। इसके बाद तारिक रहमान की क्रूरक सरकार ने जिले की स्थानीय निकायों को मिलने वाली आर्थिक मदद रोकने का फैसला किया।

ढाका के अखबार प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने जिला परिषद, उपजिला परिषद, नगरपालिकाओं और यूनियन परिषदों को मिलने वाली आर्थिक मदद की तीसरी किस्त रोक दी है। यह किस्त जनवरी से मार्च 2027 के बीच मिलनी थी। आमतौर पर इन निकायों को साल में चार किस्तों में पैसा दिया जाता है। बीबीसी के मुताबिक, जिले के विकास कार्यों के लिए पहले से मंजूर करीब 5 अरब टका की रकम भी रोक दी गई है। हसीना की वापसी से बढ़ा तनाव बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ दिन पहले अपनी वतन वापसी की तारीख बताई थी।

उन्होंने इसके लिए तारिक रहमान सरकार से विमान भेजने की मांग की। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने बताया कि हसीना सरकारी एयरलाइन विमान बांग्लादेश की फ्लाइट से दिल्ली से ढाका लौटना चाहती हैं। 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में जीत हासिल की थी। पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुक्ति वाहिनी बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़ने वाले लोगों का संगठन था।

पाकिस्तान में इस साल 84 अल्पसंख्यक लड़कियों और महिलाओं का अपहरण धर्म परिवर्तन कराया गया : रिपोर्ट



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ जारी अत्याचारों को लेकर एक नई रिपोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन 'वॉइस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी' (वीओपीएम) के अनुसार, इस साल के पहले 10 महीनों में कम से कम 84 अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों का अपहरण किया गया, उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और फिर उनकी शादी कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों में 49 ईसाई और 35 हिंदू लड़कियां एवं महिलाएं शामिल हैं। इन 84 पीड़ितों में से 43 नाबालिग थीं, जबकि छह लड़कियों की उम्र 14 साल से भी कम थी। संगठन ने बताया कि सबसे ज्यादा मामले पंजाब प्रांत से सामने आए, जहां 47 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 18 मामले सिर्फ लाहौर के थे। वहीं सिंध में 36 मामले दर्ज हुए, जबकि बलूचिस्तान में एक मामला सामने आया। रिपोर्ट में कहा गया कि 2021 से 2025 के बीच पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के 515 मामले दर्ज किए गए। हालांकि मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। वीओपीएम ने कहा, 'हर आंकड़े के पीछे एक ऐसी बच्ची है, जिसे उसके घर से छीन लिया गया। उससे उसकी मर्जी के बिना धर्म परिवर्तन कराया गया और ऐसे व्यक्ति से शादी कराई गई जिसे उसने कभी नहीं चुना। उसके माता-पिता उसे खोजते रहते हैं और हर गुजरते दिन के साथ उनकी चिंता बढ़ती जाती है।

संगठन के अनुसार, कई परिवार शिकायत तक दर्ज नहीं कराते, क्योंकि उन्हें बदले की कार्रवाई का डर रहता है और उन्हें भरोसा नहीं होता कि व्यवस्था उनकी रक्षा कर पाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि यह खामोशी इस समस्या की वास्तविक गंभीरता को छुपा देती है और यह भी दिखाती है कि पीड़ितों का सरकारी व्यवस्था पर कितना कम भरोसा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का हवाला देते हुए संगठन ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी अधिकारी इन अपराधों को रोकने और पीड़ित परिवारों की सुरक्षा करने में नाकाम रहे हैं।

ट्रंप की पहल को नजरअंदाज करने के बाद किम ने और परमाणु हथियार बनाने का संकल्प लिया

सियोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने परमाणु सामग्री का उत्पादन करने वाले प्रतिष्ठानों का दौरा किया और अधिक परमाणु हथियार बनाने का आह्वान किया. इससे पहले उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया एशिया यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करने की पेशकश को नजरअंदाज कर दिया था.

किम के इस बयान से एक बार फिर संकेत मिलता है कि वह अपने लगातार विकसित हो रहे परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं. साथ ही, वह परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में उत्तर कोरिया की स्थिति और मजबूत करना चाहते हैं.

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने गुरुवार को बताया कि किम ने परमाणु सामग्री का उत्पादन करने वाले दो कारखानों का निरीक्षण किया, जिनमें से एक का हाल ही में उद्घाटन किया गया है, जबकि दूसरे का विस्तार किया जा रहा है. केसीएनए की ओर से जारी तस्वीरों में किम और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ऐसी मशीनों की कतारों के बीच चलते नजर आए, जो परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उच्च संवर्धित यूरेनियम के उत्पादन में प्रयुक्त सेंट्रीफ्यूज प्रतीत हो रही थीं. उन्होंने उन कक्षों का भी दौरा किया, जहां कथित तौर पर परमाणु हथियारों के मुखास्त्र



प्रदर्शित किए गए थे. कुछ तस्वीरों को धुंधला कर दिया गया था.

उत्तर कोरिया ने 2010 में अपने प्रमुख योंगब्योन परमाणु परिसर का दौरा करने आए अमेरिकी विद्वानों को यूरेनियम संवर्धन केंद्र दिखाने के बाद कुछ ही मौकों पर ऐसे केंद्रों का खुलासा किया है. उत्तर कोरिया ने यह नहीं बताया कि किम ने इस सप्ताह जिन परमाणु सामग्री उत्पादन कारखानों का दौरा किया, वे कहां स्थित हैं. केसीएनए के मुताबिक, किम ने कहा कि उनका हालिया निरीक्षण दौरा ''कोरियाई प्रायद्वीप की ओर हर पल बढ़ रहे परमाणु खतरों'' के मद्देनजर उत्तर कोरिया की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा था केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा, ''हमारे पास परमाणु हथियार होने की वैधता और आवश्यकता तथा हमारी परमाणु क्षमता को गुणवत्ता एवं संख्यात्मक रूप से मजबूत करने की दिशा में जारी प्रयास एक ऐसी वास्तविकता हैं, जिन्हें अब बदला नहीं जा सकता.'' किम ने युद्ध के मैदान में इस्तेमाल किए जाने वाले कम मारक क्षमता वाले परमाणु हथियारों को और विकसित करने का भी आह्वान किया. उन्होंने कहा कि विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे हथियारों की तैनाती बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्तर कोरिया ''सबसे खतरनाक शत्रु देश के साथ सीमा साझा करने की अपरिहार्य वास्तविकता'' का सामना कर रहा है. उनका इशारा दक्षिण कोरिया की ओर था.

इस घटनाक्रम के बीच दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह युद्ध के मैदान में इस्तेमाल किए जाने वाले परमाणु हथियारों के संबंध में किम की टिप्पणियों को गंभीरता से लेता है. मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन के तहत दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह सैन्य रूप से तैयार है. दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने केसीएनए द्वारा दी गई उत्तर कोरिया के परमाणु प्रतिष्ठानों संबंधी जानकारी का विश्लेषण साझा करने से इनकार करते हुए कहा कि यह दक्षिण कोरिया और अमेरिका की गोपनीय जानकारी है. ट्रंप ने पिछले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा के दौरान किम के साथ कूटनीतिक वार्ता बहाल करने की अपनी इच्छा दोहराई थी. हालांकि, दोनों नेताओं के बीच मुलाकात नहीं हो सकी और उत्तर कोरिया ने ट्रंप की पेशकश पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया भी नहीं दी।

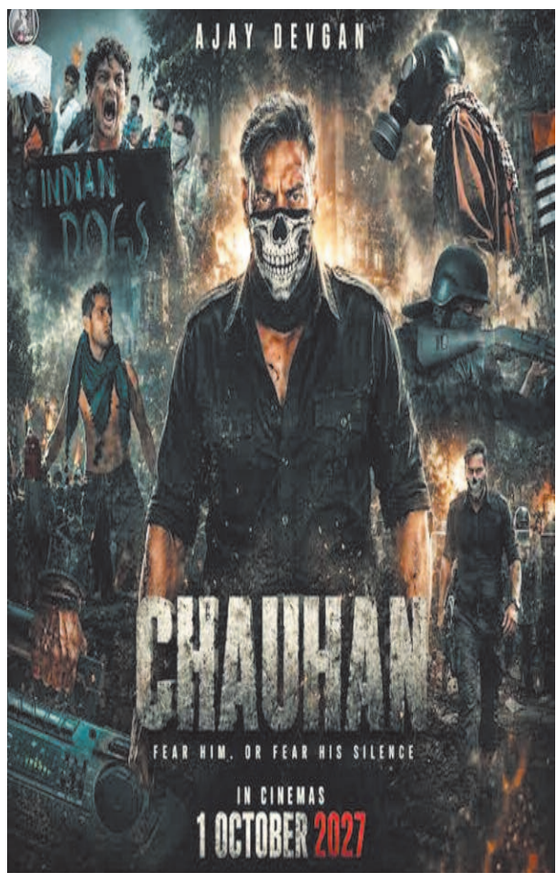

अजय स्टारर 'चौहान' में है रियल मिलिट्री ऑपरेशन जैसा ट्रीटमेंट

अजय देवगन इन दिनों एक साथ कई दिलचस्प प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं। एक तरफ 'गोलमाल 5' और 'रेंजर' जैसी फिल्मों को लेकर चर्चा है, वहीं दूसरी तरफ वह एक ऐसी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं, जिसमें उनका किरदार एक मिलिट्री ऑफिसर का बताया जा रहा है। इस फिल्म की कहानी और पूरी कास्ट को फिलहाल गोपनीय रखा गया है, लेकिन अजय की टीम से जुड़े सूत्र ने शूटिंग और एक्शन डिजाइन को लेकर कुछ अहम जानकारियां साझा की हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का एक शेड्यूल कारगिल में लगभग 20 दिनों तक चला है। खास बात यह है कि इस बार एक्शन को जरूरत से ज्यादा फिल्मी बनाने के बजाय वास्तविक सैन्य परिस्थितियों के करीब रखने की कोशिश की जा रही है।

एक्शन में हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट, फायरिंग और सैन्य अभियानों से जुड़े सीक्वेंस होंगे

चूंकि फिल्म की कहानी का बैकड्रॉप भारतीय सेना से जुड़ा है और इसके एक्शन में हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट, फायरिंग और सैन्य अभियानों से जुड़े सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। हालांकि, मेकर्स इसे सामान्य कमर्शियल एक्शन फिल्म की तरह पेश नहीं करना चाहते। एक्शन को वास्तविक सैन्य परिस्थितियों के करीब रखने पर जोर दिया जा रहा है। सूत्र के मुताबिक, इसमें फिल्मी अंदाज वाला एक्शन नहीं होगा, बल्कि मुकाबले और सैनिकों की गतिविधियों को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाया जाएगा। इसके लिए प्रॉपर सेना के विशेषज्ञों से मेकर्स ने मदद ली है।

जर्मनी और स्पेन से जुड़े एक दिग्गज एक्शन डायरेक्टर स्टीफन रिक्टर भी कर रहे काम

फिल्म के एक्शन की जिम्मेदारी भारतीय एक्शन डायरेक्टर आरपी यादव संभाल रहे हैं। वहीं उनके साथ जर्मनी और स्पेन से जुड़े एक्शन विशेषज्ञ स्टेफन रिक्टर भी काम कर रहे हैं। उनके पिछले कामों में 'शेरशाह', 'उरी', 'शिवाय' और 'अमरन' जैसी फिल्में शामिल हैं। जैसा कि मिलिट्री बैकग्राउंड की फिल्म में हथियारों के इस्तेमाल, सैनिकों की बॉडी लैंग्वेज और मुकाबले की तकनीक को विश्वसनीय बनाना चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में भारतीय और विदेशी विशेषज्ञों की यह टीम एक्शन को कहानी के परिवेश के अनुरूप तैयार कर रही है।

कारगिल के लाल चौक जैसे इलाकों में हुआ शूट

फिल्म का एक अहम शेड्यूल कारगिल में करीब 20 दिनों तक शूट किया गया है। इस दौरान कारगिल के लाल चौक जैसे इलाकों में भी शूटिंग हुई। पहाड़ी क्षेत्र और वहां की भौगोलिक परिस्थितियां फिल्म के मिलिट्री बैकड्रॉप के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। फिलहाल टीम को दिवाली का ब्रेक दिया गया है। सूत्र के मुताबिक, कलाकार और क्रू मुंबई लौट आए हैं। करीब एक सप्ताह से 10 दिनों के ब्रेक के बाद अगला शेड्यूल शुरू करने की तैयारी है। हालांकि, अगली शूटिंग लोकेशन अभी तय नहीं हुई है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी डीओपी असीम बजाज संभाल रहे हैं।

'रेंजर' का भी काफी हिस्सा शूट हो चुका है, जंगल और एडवेंचर पर बेस्ड है

वहीं सूत्रों के मुताबिक, अजय की 'रेंजर' की रिलीज भी अगले साल हो सकती है। इस फिल्म का काफी हिस्सा शूट हो चुका है और कुछ काम बाकी बताया गया है। ऐसे में मेकर्स की ओर से अंतिम शूटिंग और पोस्ट प्रोडक्शन की योजना तय होने के बाद ही रिलीज को लेकर स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। फिल्म में अजय के लुक को लेकर भी कहा जा रहा है कि एक्टर का लुक पूरी तरह क्लीन शेव नहीं होगा बल्कि हल्की दाढ़ी या अलग तरह की यूमिंग स्टाइल देखने को मिल सकती है।





दिल की बेवफाइयां में मेरा सबसे मुश्किल किरदार है

अभिनेता गौरव खन्ना जल्द ही एकता कपूर के आगामी शो 'दिल की बेवफाइयां' में मानव का मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि यह किरदार उनके अब तक के सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है। अभिनेता ने बातचीत में अपने अभिनय के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि किसी भी एक्टर के लिए उनका नया काम कुछ अलग होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मानव मेरे लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है और मुझे विश्वास है कि जानकी, जिसका किरदार श्रद्धा निभा रही हैं। उनके लिए भी यह किरदार उतना ही चुनौतीपूर्ण है। हम आसानी से कोई भी रोमांटिक कहानी चुन सकते थे, जो हम दोनों पहले कर चुके हैं।, जिसमें हीरो बाइक पर आता है और हीरोइन का दुपट्टा उड़ता है। इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि आपका मौजूदा काम आपके पिछले काम से कुछ अलग होना चाहिए और यही चीज इस सफर को दिलचस्प बनाए रखती है।

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सच में उम्मीद है कि हमारी कहानी सही ऑडियंस तक पहुंचेगी, क्योंकि लोग इसके किरदारों से खुद को जोड़ पाएंगे। आपको इन किरदारों की झलक अपने मोहल्ले, ऑफिस और यहां तक कि अपने परिवार में भी मिल जाएगी।' शो 'दिल की बेवफाइयां' एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा है, जो शादी के 20 साल बाद पति-पत्नी के रिश्ते और उनकी अलग-अलग सोच को दिखाता है। शो में शादीशुदा रिश्ते की भावनाओं और अनकही बातों पर सवाल उठाया गया है, जहां एक के लिए सब 'काफी' है, वहीं दूसरे के दिल में 'काश' की भावना है। कहानी के विषय पर बात करते हुए गौरव ने कहा, 'बचपन में जब हमें 60 प्रतिशत नंबर मिलते थे तो हम अपनी मां से शिकायत करते थे कि 80 क्यों नहीं आए। जब 80 आए तो सोचते हैं कि 100 क्यों नहीं आए। वैसे ही, छोटी गाड़ी चलाने वाला बड़ी गाड़ी चाहता है। इंसान की इच्छाएं कभी खत्म ही नहीं होतीं। कहानी इसी बारे में है कि जिंदगी ने हमें जो 80 प्रतिशत दिया है, उसे 100 प्रतिशत बनाने की कोशिश में हम कभी-कभी वो भी गंवा बैठते हैं, जो हमारे पास पहले से है। ये इंसान की फितरत, महत्वाकांक्षा और रिश्तों पर एक बहुत ही रियलिस्टिक कहानी है।



'पेद्दी' के विवाद पर बोलीं श्रुति हासन मैं कंफर्टेबल नहीं...

'पेड्डी' की रिलीज के बाद से फिल्म में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के सीन फिल्माये जाने पर काफी विवाद हुआ था। इसी फिल्म के एक डांस नंबर श्रुति हासन, राम चरण और जाह्नवी कपूर थे। अब कमल हासन की बेटी ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म में विशेष भूमिका निभाने के लिए रजामंद क्यों हुईं।

एक्ट्रेस ने असहजता पर क्या कहा?

अभिनेत्री श्रुति हासन ने डांस और उसमें खुद को फिल्माये जाने पर गलाटा प्लस से बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यह सवाल पूछा है कि फिल्मों में विशेष डांस सीन्स की क्या जरूरत होती है। मुझे नृत्य करना पसंद है, मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं। मुझे सजने-संवरने में भी आनंद आता है। और यही मेरा नजरिया है। विशेष सीन्स के प्रति मेरा दृष्टिकोण मेरे लिए बहुत ही आसान रहा है। मैं कभी भी किसी भी रूप में किसी की चापलूसी करने वाली नहीं रही हूं। इसलिए, जब मुझे किसी चीज से असहजता होती है, तो मैं कह देती हूं कि मैं इसे नहीं पहनूंगी। अगर मुझे असहजता होती है, तो मैं वह नहीं करूंगी। इस बारे में मेरी बहस भी हुई है। इस वजह से मेरी आलोचना भी हुई है। मगर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

एक्ट्रेस महिलाओं के चित्रण पर क्या कहा?

अपनी बातचीत में आगे श्रुति हासन ने कहा, मैं इस विषय पर हो रही चर्चा को समझती हूं। लेकिन सच कहूं तो, मेरा नजरिया यह है। मुझे डांस करने में आता है, मुझे कोरियोग्राफी करने में मजा आता है, मुझे बोल्ड दिखने में मजा आता है। यह किसी तरह की चापलूसी भरी नजर से नहीं है। क्या यह सिर्फ आइटम सॉन्ग में ही होता है? मेरा मतलब है, हम कई तरह से चापलूसी कर सकते हैं। सिर्फ आइटम सॉन्ग में छोटे कपड़े पहनने से ही नहीं। हम आजकल एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर तरफ चापलूसी ही है। तो आप अपनी पसंद के अनुसार चापलूसी करें या न करें।'

जान्हवी ने 'पेद्दी' विवाद पर क्या कहा

बीते दिनों अभिनेत्री जान्हवी कपूर 'कॉफी विद करण' में महमान बनकर पहुंची थीं। वहां उन्होंने 'पेद्दी' विवाद पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को देखकर मेरी मन को गहरा दुख होता है। यह शर्मिंदगी मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और सतर्क हो सकती थी? बिल्कुल हां। क्या इसने महिलाओं को गलत तरह दिखाया? हां। लेकिन मैं सिर्फ इतना कर सकती हूं कि यह ध्यान रखूंगी कि ऐसा दोबारा न हो।'



हुमा स्टारर 'बयान' सीधे ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' अब सिनेमाघरों के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। प्लेटफॉर्म ने फिल्म के डिजिटल राइट्स हासिल कर लिए हैं। फिल्म दिसंबर 2026 या जनवरी 2027 में स्ट्रीम हो सकती है। हालांकि, मेकर्स ने अभी रिलीज की आधिकारिक डेट घोषित नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, जी5 को फिल्म की कहानी और कलाकारों का अभिनय पसंद आया है। प्लेटफॉर्म को उम्मीद है कि यह फिल्म बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित कर सकती है। फिल्म में हुमा राजस्थान की एक नई पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं। वह एक ऐसे पंथ प्रमुख के खिलाफ जांच करती हैं, जिस पर अपने आश्रम में कई लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। फिल्म की कहानी महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाती है।



पोस्टपोन हुई रश्मिका की फिल्म 'मैसा'

साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मैसा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह था और रश्मिका ने इसकी प्रमोशन भी शुरू कर दी थी। फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज से पहले मेकर्स ने इसकी रिलीज टालने का एलान कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि खुद रश्मिका मंदाना को भी फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट की जानकारी नहीं है। मेकर्स के मुताबिक, 'मैसा' को भी एक खास और तकनीकी रूप से शानदार एक्शन फिल्म के तौर पर तैयार किया गया है, जिसे दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक अलग अनुभव देने के मकसद से बनाया गया है।

वक्त के साथ नहीं बदले तो कोई और आपकी जगह ले लेगा

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी मनोरंजन जगत में पिछले 14 साल से सक्रिय हैं। उन्होंने तमिल फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और हिंदी सिनेमा, टेलीविजन और अब ओटीटी तक का सफर तय किया है। इस दौरान उन्होंने खुद को वक्त के साथ ढाला और नए मौकों के अनुसार अपने काम करने का तरीका भी बेहतर किया। अभिनेत्री का कहना है कि इंडस्ट्री में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार मेहनत करने के साथ बदलाव को अपनाना भी जरूरी है। अगर कोई कलाकार समय के साथ खुद को अपडेट नहीं करता, तो उसकी जगह कोई दूसरा ले सकता है। टीसीईएल 2027 के मौके पर आईएएनएस से खास बातचीत में आकांक्षा ने इंडस्ट्री में बने रहने का अपना मंत्र साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके लिए कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती है। एक कलाकार को लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए, क्योंकि समय के साथ अभिनय से लेकर मेकअप और हेयरस्टाइल तक बहुत कुछ बदल जाता है। आकांक्षा ने कहा, ''मुझे लगता है कि कंसिस्टेंसी ही सबसे जरूरी है। आपको लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए। मैं पिछले 14 साल से इंडस्ट्री में हूं, लेकिन 13-14 साल पहले जिस तरह का मेकअप और हेयरस्टाइल होता था या जिस तरह की एक्टिंग होती थी, वह आज काम नहीं करती। आज सोशल मीडिया है। आपको हर चीज के लिए तैयार रहना होगा और हर बदलाव को खुले दिल से अपनाना होगा, वरना आप पीछे रह जाएंगे। हमने भी यही किया। खुद को अपडेट किया, अपने ऊपर काम जारी रखा और हर बदलाव को स्वीकार किया।''

अभिनेत्री ने बातचीत में अपने करियर के अलग-अलग पड़ावों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनका सफर किसी एक इंडस्ट्री या प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने साउथ फिल्मों से शुरुआत की, फिर हिंदी सिनेमा और टेलीविजन में काम किया और अब ओटीटी पर भी अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने कहा, ''आज मैं ओटीटी पर काम कर रही हूं। इससे पहले मैं टेलीविजन पर काम कर रही थी और उससे पहले साउथ में काम कर रही थी। इसलिए आपको यह स्वीकार करना होगा कि समय बदल रहा है। अगर आप वक्त के साथ नहीं बदलेंगे, तो आपकी जगह कोई दूसरा ले लेगा। मैं लगातार खुद पर काम करती हूं और बदलाव को स्वीकार करती हूं। यही चीज मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।'' आकांक्षा के फिल्मी सफर की बात करें, तो उन्होंने साल 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके दो साल बाद 2015 में उन्होंने मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म में उनके काम ने उन्हें हिंदी दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, आकांक्षा को घर-घर में पहचान टीवी शो 'विघ्नहर्ता गणेश' में माता पार्वती के किरदार से मिली। इस पौराणिक शो में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद वह रियलिटी शो 'मीका दी वोटी' और 'बिग बॉस ओटीटी' में भी नजर आईं। हिंदी के अलावा, आकांक्षा तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

500 की कुर्ती खरीदने के चक्कर में महिला ने गंवाए 13 लाख रुपये

टिहरी गढ़वाल। ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान बरती गई थोड़ी सी लापरवाही एक महिला को लाखों रुपये की चपत लगा गई। टिहरी जिले के चंबा क्षेत्र में साइबर ठगों ने महज 500 रुपये की कुर्ती खरीदने के चक्कर में एक महिला से करीब 13 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पहले ऑनलाइन ऑर्डर फंसने का झांसा दिया और फिर निवेश के नाम पर महिला को अपने जाल में फंसा लिया। मामले में पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर राजस्थान के जयपुर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ऑर्डर फंसने का मैसेज भेजकर शुरू की ठगी

जानकारी के अनुसार, टिहरी जिले के चंबा क्षेत्र के बुरांसवाड़ी निवासी महिला ने अक्टूबर माह में एक ऑनलाइन शॉपिंग ऐप पर कुर्ती का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में कुर्ती की कीमत 500 रुपये बताई गई थी। महिला ने कुर्ती खरीदने के लिए ऑनलाइन ऑर्डर कर दिया।



कुछ दिनों बाद महिला के व्हाट्सएप पर एक संदेश आया, जिसमें बताया गया कि उसका ऑर्डर फंस गया है। आगे की प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक हजार रुपये जमा करने को कहा गया। महिला ने बताए गए खाते में रकम भेज दी। इसके बाद साइबर ठगों ने धीरे-धीरे महिला को अपने विश्वास में लेना शुरू कर दिया।

निवेश के नाम पर जमा कराए तीन लाख रुपये

ठगों ने महिला को बताया कि उसकी रकम एक कंपनी में निवेश की जा रही है और जल्द ही उसे दोगुना करके वापस कर दिया जाएगा। इस झांसे में आकर महिला ने अलग-अलग बैंक खातों में करीब तीन लाख रुपये जमा करा दिए।

महिला का भरोसा जीतने के लिए साइबर ठगों ने उसके बैंक खाते में 10 हजार रुपये भी भेजे। इससे महिला को लगा कि निवेश की प्रक्रिया वास्तविक है और उसे रकम वापस मिल सकती है। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपितों ने ठगी का सिलसिला जारी रखा।

13 लाख रुपये गंवाने के बाद हुआ ठगी का एहसास

शुरुआत में छोटी रकम से शुरू हुआ यह मामला धीरे-धीरे बड़ी ठगी में बदल गया। आरोप है कि ठगों ने निवेश में मोटा मुनाफा मिलने का लालच देकर महिला से करीब 10 लाख रुपये और जमा करा लिए। इस तरह महिला से कुल लगभग 13 लाख रुपये की ठगी की गई।

काफी समय तक रकम वापस नहीं

मिलने और ठगों की ओर से लगातार बहाने बनाए जाने पर महिला को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास हुआ। इसके बाद उसने पुलिस प्रशासन से शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच साइबर सेल को सौंपी गई।

जयपुर से एक आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर राजस्थान के जयपुर से गुलशन मीना निवासी बरवा वस्सी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ही व्हाट्सएप के माध्यम से महिला के संपर्क में था और उससे बातचीत कर रहा था।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, गंगा किनारे मिला शव



देहरादून/ऋषिकेश। देहरादून में रहकर एक प्रतिष्ठित होटल में काम करने वाले युवक संजय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। संजय का शव ऋषिकेश के समीप गंगा किनारे पहाड़ी क्षेत्र में फंसा हुआ मिला। वह पौड़ी जिले के श्रीनगर में अपने दोस्त की शादी में शामिल होने गया था। वापसी के दौरान व्यासी के पास इनोवा कार चालक के साथ उसका विवाद होने की बात सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तलाश अभियान चलाकर शव को बरामद किया।

व्यासी के पास इनोवा चालक से हुआ था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय अपने दोस्तों के साथ देहरादून से पौड़ी जिले के श्रीनगर में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। शादी समारोह से वापस लौटते समय देर रात व्यासी के आसपास किसी बात को लेकर उसकी इनोवा कार के चालक के साथ कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। इसके बाद संजय के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

दोस्त की सूचना पर पुलिस ने शुरू की तलाश

संजय के दोस्त दिशांक विद्यार्थी के अनुसार, चालक के साथ विवाद के बाद संजय का कोई पता नहीं चल रहा था। इस पर उन्होंने रात में ही ऋषिकेश पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी, लेकिन रातभर खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया।

सुबह गंगा किनारे पहाड़ी क्षेत्र में मिला शव

शनिवार सुबह तलाशी अभियान के दौरान ऋषिकेश के नजदीक गंगा किनारे पहाड़ियों के बीच संजय का शव फंसा हुआ दिखाई दिया। इसके बाद मुनि की रेती पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया। एसडीआरएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को नदी किनारे से बाहर निकाला।

शरीर पर चोट के निशान, मौत की वजह स्पष्ट नहीं

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, संजय के शरीर पर कई जगह चोट के निशान पाए गए हैं। हालांकि, चोटें किन परिस्थितियों में आईं और उसकी मौत कैसे हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। पुलिस इनोवा चालक के साथ हुए विवाद सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

अंकिता भंडारी केस: निजी व्हाट्सएप चैट सार्वजनिक मामले में जीरो एफआईआर दर्ज



देहरादून। अंकिता भंडारी की निजी व्हाट्सएप चैट सार्वजनिक करने के मामले में देहरादून से पुलकित आर्य के पिता विनोद आर्य और अधिवक्ता अनुज पुंडीर के खिलाफ दून में दर्ज जीरो एफआईआर को शहर कोतवाली को स्थानांतरित किया गया है। पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह अधिकारी करेंगे। पुलिस के अनुसार, अंकिता भंडारी की मां सोनी देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी की हत्या के मामले में पुलकित आर्य, सौरभ भास्कर और अंकित उर्फ पुलकित गुप्ता को 30 मई 2025 को न्यायालय ने दोषी करार दिया था। मामले की विवेचना के दौरान अंकिता और उसके मित्र पुष्पदीप के बीच हुई व्हाट्सएप चैट को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में संकलित किया गया था। यह चैट बचाव पक्ष को भी उपलब्ध कराई गई थीं। मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने इन निजी चैट के आधार पर गवाहों से सवाल पूछने का प्रयास किया था लेकिन विचारण न्यायालय ने आपत्ति स्वीकार करते हुए ऐसे सवालों की अनुमति नहीं दी थी। बाद में यह मामला हाईकोर्ट में भी पहुंचा, जहां इन निजी बातचीत के आधार पर सवाल पूछने को प्रासंगिक नहीं माना गया।

आपदा प्रबंधन दिवस : राज्य में 150 स्थानों पर हुई मॉक ड्रिल

देहरादून। आपदा प्रबंधन दिवस व सिलक्यारा टनल रेस्क्यू अभियान की वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को प्रदेश में 150 स्थानों पर राज्यस्तरीय मॉक ड्रिल हुई। इस अभ्यास में सभी 13 जिलों व तहसील स्तर की टीमों ने भाग लिया। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर मॉक अभ्यास का निरीक्षण किया। आपदा प्रबंधन मंत्री कौशिक ने कहा कि सिलक्यारा रेस्क्यू अभियान देश के लिए साहस और समन्वय की ऐतिहासिक मिसाल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मॉक अभ्यास के दौरान सामने आई कमियों का गंभीरता से विश्लेषण किया जाए।

हत्याकांड के फरार आरोपी का एनकाउंटर

रुद्रपुर। ऊधम सिंह नगर जिले में नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा के पदभार संभालने के बाद पुलिस की सख्ती का असर दिखाई देने लगा है। पदभार ग्रहण करने के महज तीसरे दिन ही रुद्रपुर पुलिस ने रेशमबाड़ी हत्याकांड में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिंग रोड के पास पुलिस से हुई मुठभेड़

पुलिस के अनुसार, शनिवार 28 नवंबर को रिंग रोड से सरदार के झाले की ओर जाने वाले मार्ग पर पुलिस टीम का सामना हत्याकांड में वांछित आरोपी शिवम चंद्रा उर्फ बर्गर से हुआ। इस दौरान आरोपी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शिवम के दाहिने पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया।



तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। घायल आरोपी को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

रेशमबाड़ी हत्याकांड के बाद से चल रहा था फरार

गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवम चंद्रा उर्फ बर्गर (25 वर्ष), पुत्र पप्पू, निवासी रेशमबाड़ी, रुद्रपुर के रूप में हुई है। वह कोतवाली रुद्रपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 618/2026 में वांछित था। रेशमबाड़ी क्षेत्र में हुई चाकूबाजी और हत्या की घटना के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इस मामले में नामजद दो अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। शिवम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दरअसल, रेशमबाड़ी निवासी 50 वर्षीय लीलाधर एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे। घटना वाली रात वह ड्यूटी समाप्त कर घर लौट रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

नेपालगंज और महेंद्रनगर तक चलेंगी रोडवेज बसें

देहरादून। परिवहन निगम नेपाल में नेपालगंज और महेंद्रनगर तक साधारण बस सेवा के संचालन की तैयारी कर रहा है। इसके तहत नेपाल के बस ऑपरेटरों के साथ किराये पर बातचीत शुरू की गई है। फिर किराया तय कर बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। अभी रोडवेज हरिद्वार से रूपेहडिया और देहरादून से बनबसा तक बस संचालित करता है। परिवहन निगम को नेपाल के नेपालगंज और महेंद्र नगर तक बस संचालन के लिए 16 परमिट मिल चुके हैं। इसके साथ ही रोडवेज बस संचालन की तैयारी कर रहा है। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा के निर्देश पर साधारण श्रेणी की बसों का संचालन शुरू करने की योजना है, जिससे लोगों को सस्ती और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।

परिवहन निगम के महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह बताते हैं कि अभी नेपाल के ऑपरेटर एसी बसों का संचालन करते हैं, जबकि रोडवेज की साधारण बसों के संचालन की योजना है। ऐसे में नेपाल के ऑपरेटरों से साधारण बसों का संचालन और साधारण बसों के किराये को लेकर बातचीत शुरू की गई है। यह तय होने के बाद संचालन शुरू किया जाएगा। साधारण बसों के संचालन के बाद परिवहन निगम की भविष्य में वाल्वो बसों के संचालन की भी योजना है।

सुरंग हादसे की याद में खोदरी पावर हाउस में गूंजी खतरे की चेतावनी

विकासनगर। आपदा कभी भी और कहीं भी दस्तक दे सकती है। ऐसे में समय रहते बचाव और राहत कार्य शुरू करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यूजेवीएन लिमिटेड ने शनिवार को खोदरी जल विद्युत गृह में बाढ़ की काल्पनिक स्थिति बनाकर मॉक ड्रिल की।

मॉक ड्रिल का आयोजन सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान की स्मृति में किया गया। अभ्यास के दौरान खोदरी जल विद्युत गृह में अचानक बाढ़ आने की स्थिति दिखाई गई। इसमें कुछ व्यक्तियों के फंसने की सूचना पर बचाव दल ने तत्काल मोर्चा संभाला और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद फंसे व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बचाव के बाद घायलों को चिकित्सकों की निगरानी में प्राथमिक चिकित्सा दी गई। इसके बाद उन्हें जिला चिकित्सालय भेजा गया। यहां उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल का अभ्यास किया गया।

सर्दियों में भी सैलानियों से गुलजार हुआ चकराता

चकराता। पहाड़ों में बढ़ती ठंड भी चकराता की खूबसूरती का दीदार करने से सैलानियों को नहीं रोक पा रही है। वीकेंड पर बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से छावनी बाजार सहित आसपास के पर्यटन स्थल गुलजार रहे। पर्यटकों की बढ़ती आमद ने होटल, होमस्टे और पर्यटन कारोबारियों के चेहरों पर रौनक लौटा दी है। चकराता की खूबसूरत वादियां, घने देवदार के जंगल और सुकून भरा वातावरण सैलानियों को खूब भा रहा है। शनिवार और रविवार की छुट्टियां बिताने पहुंचे पर्यटकों ने प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया। छावनी बाजार, चिलमिरी टॉप, टाइगर फॉल और देवबन में दिनभर पर्यटकों की आवाजाही बनी रही।

कई पर्यटक परिवार और दोस्तों के साथ पहाड़ों की खूबसूरती को कैमरे में कैद करते नजर आए। वहीं युवा प्राकृतिक नजारों के बीच फोटोग्राफी और वीडियो बनाने में व्यस्त रहे। सुबह और शाम तापमान में गिरावट के चलते सैलानी गर्म कपड़ों में नजर आए। पर्यटकों ने घूमने-फिरने के साथ स्थानीय खानपान और पहाड़ी संस्कृति का भी आनंद लिया।

हनीट्रैप और करोड़ों की वसूली के आरोप में घिरी महिला को हाई कोर्ट से झटका

हल्द्वानी/नैनीताल। हल्द्वानी के एक बुजुर्ग कारोबारी को कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाकर निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने तथा करोड़ों रुपये की वसूली करने के मामले में आरोपित महिला ज्योति सिंह को उत्तराखंड हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने महिला को मिली अंतरिम गिरफ्तारी राहत समाप्त करते हुए प्राथमिकी निरस्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत के इस फैसले के बाद अब पुलिस के लिए आरोपित महिला की गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया है। मामले में शिकायतकर्ता बुजुर्ग कारोबारी ने आरोप लगाया है कि निजी फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उनसे करीब पांच करोड़ रुपये नकद और ऑनलाइन माध्यम से वसूले गए। इसके अतिरिक्त लगभग दो करोड़ रुपये बाजार मूल्य के चार प्लॉट, एक कार और एक बाइक भी कथित तौर पर ले ली गई। इस प्रकार कारोबारी ने करीब सात करोड़ रुपये की नकदी और संपत्ति गंवाने का दावा किया है।

आर्थिक मदद के बहाने बढ़ाई नजदीकी

कारोबारी की शिकायत के अनुसार, वर्ष 2015 में उनकी मुलाकात ज्योति सिंह से हुई थी। शुरुआत में महिला ने आर्थिक मदद के बहाने उनसे संपर्क बढ़ाया



और धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। कारोबारी का आरोप है कि इसी दौरान उनकी निजी फोटो और वीडियो तैयार कर लिए गए। बाद में इन्हें परिवार और समाज में वायरल करने की धमकी देकर उनसे पैसों की मांग की जाने लगी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, वर्ष 2016 में करीब 45 लाख रुपये लिए गए। वर्ष 2016 से 2022 के बीच महिला से संपर्क नहीं रहा, लेकिन वर्ष 2022 में दोबारा फोन आने लगे। आरोप है कि पुरानी फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर फिर से वसूली शुरू कर दी गई। सामाजिक प्रतिष्ठा और परिवार की बदनामी के डर से कारोबारी लगातार दबाव में रहे।

हर महीने 40 हजार रुपये मांगने का भी आरोप

कारोबारी ने आरोप लगाया है कि करोड़ों रुपये और संपत्ति लेने के बाद भी कथित वसूली का सिलसिला नहीं रुका। पिछले दो वर्षों से बेटी की बीमारी और उपचार का हवाला देकर हर महीने 40 हजार रुपये मांगे जाते रहे। इस मद में करीब 9.60 लाख रुपये अतिरिक्त वसूले जाने का दावा भी शिकायत में किया गया है।

महिला समेत छह लोगों की भूमिका पर सवाल

इस मामले में कारोबारी ने ज्योति सिंह के अलावा मोहम्मद मुश्ताक, सोमवती समेत अन्य लोगों पर भी कथित वसूली में शामिल होने का आरोप लगाया है। शिकायत में कुल छह लोगों की भूमिका की जांच की मांग की गई है। कारोबारी का दावा है कि करीब दो करोड़ रुपये बाजार मूल्य की चार जमीनें भी दबाव बनाकर आरोपितों और उनके परिवार के सदस्यों के नाम कराई गईं।

शिकायतकर्ता का स्टोन क्रशर, पेट्रोल पंप सहित अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ाव बताया गया है। उनका आरोप है कि लगातार आर्थिक और मानसिक दबाव के चलते उन्हें अपने कारोबार तक से हाथ धोना पड़ा।

18 नवंबर को दर्ज हुआ था मुकदमा

कारोबारी ने नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने, संपत्ति वापस दिलाने तथा स्वयं और परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। इसके बाद 18 नवंबर को हल्द्वानी कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया।

वहीं, आरोपित महिला ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर खुद को गलत तरीके से फंसाए जाने की दलील दी थी। उसने प्राथमिकी निरस्त करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की थी। 21 नवंबर को अदालत ने महिला को अंतरिम राहत दी थी, जिसे बाद में 27 नवंबर तक बढ़ाया गया। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एकलपीठ ने अंतरिम राहत समाप्त करते हुए याचिका खारिज कर दी।

अब पुलिस जांच पर टिकी निगाहें

हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब पुलिस के सामने कथित वसूली की रकम के लेनदेन, चारों प्लॉट के हस्तांतरण, निजी फोटो-वीडियो की भूमिका और आरोपितों के बीच संपर्कों की जांच की चुनौती है। मामले में अन्य आरोपितों की भूमिका की भी पड़ताल की जानी है।

क्राइम पेट्रोल छोड़ने का फैसला जोखिम भरा, नए किरदारों की तलाश थी जरूरी : अनूप सोनी

देहरादून। सोशल मीडिया और इंटरनेट आज हमारी जरूरत हैं लेकिन इन्हें अपनी पूरी जिंदगी नहीं बनने देना चाहिए। सोशल मीडिया को जिंदगी का हिस्सा बनाकर रखें लेकिन जिंदगी नहीं। क्राइम पेट्रोल धारावाहिक से एक अलग पहचान मिली है उसे छोड़ने का फैसला जोखिम भरा था। लेकिन नए किरदारों की तलाश भी जरूरी थी। यह बातें अभिनेता अनूप सोनी ने शनिवार को देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित द गुड द बैड एंड द ह्यूमन : वॉइस फॉर रियलिटी सत्र में कहीं। अमर उजाला के वरिष्ठ पत्रकार रुद्रेश कुमार के साथ बातचीत में उन्होंने अपने अभिनय सफर, टीवी और फिल्मों के बदलते स्वरूप, पढ़ने की आदत और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर विचार साझा किए। अनूप सोनी ने बताया कि 12वीं तक उनका लक्ष्य सीए और एलएलबी करने का था लेकिन अखबार में थिएटर कार्यशाला का विज्ञापन देखकर उन्होंने



इसमें हिस्सा लिया। थिएटर में अभिनय करने के बाद उन्हें अपनी रुचि का अहसास हुआ। इसके बाद नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में दाखिला लेकर उन्होंने अभिनय को कॅरिअर बनाया। उन्होंने टीवी शो सी हॉक्स को अपना पहला बड़ा ब्रेक बताया। वहीं क्राइम पेट्रोल ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। उन्होंने बताया कि 2019 में इस शो से ब्रेक लेने के बाद वह वेब सीरीज और फिल्मों पर ध्यान देने लगे।

एक कलाकार को अलग-अलग तरह के किरदार करने के मौके तलाशते रहने चाहिए

हाल ही में उनकी फिल्म द वन रिलीज हुई है। इसमें उन्हें अच्छा और दमदार किरदार मिला इसलिए उन्होंने इसे चुना। उन्होंने कहा कि कलाकार को टीवी या फिल्मों के आधार पर नहीं बल्कि उसकी अभिनय क्षमता के आधार पर परखना चाहिए। वह बालिका वधू की सफलता की वजह उसकी अलग कहानी, बेहतर लेखन और सामान्य शूटिंग पैटर्न को मानते हैं। उस दौर के दूसरे धारावाहिकों में तेज जूम और कैमरा मूवमेंट का इस्तेमाल होता था जबकि इस शो में कहानी को सहज तरीके से दिखाया गया। उन्होंने कहा कि एक कलाकार को अलग-अलग तरह के किरदार करने के मौके तलाशते रहने चाहिए। आरामदायक स्थिति में रहकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता।

सिलक्यारा रेस्क्यू के तीन साल, आज देशभर से पहुंचे विशेषज्ञ



देहरादून। सिलक्यारा की ऐतिहासिक जीत के तीन साल पूरे होने के मौके पर राजधानी में शनिवार से तीन दिन का विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन शुरू हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस सम्मेलन का शुभारंभ किया।सम्मेलन के संयोजक प्रो. दुर्गेश पंत ने बताया कि बहुचर्चित सिलक्यारा विजय अभियान की तीसरी वर्षगांठ के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में 28 से 30 नवंबर तक देहरादून में विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन 2026 हो रहा है। हिमालयन अकादमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर से आयोजित सम्मेलन की थीम इस बार रेसिलिएंस स्टार्टस एट होम : एंटीसिपेटिंग रिस्क्स, बिल्डिंग रेसिलिएंस, ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर्स रखी गई है। कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने और स्थानीय स्तर पर आपदा से लड़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से गांव से ग्लोब तक : एक आवाज के संकल्प के साथ इसकी शुरुआत होगी। उत्तराखंड के सभी जिलों, देश के 30 से अधिक राज्यों, 6 महाद्वीपों के लगभग 50 देशों के वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और शोधकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे।

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी पहुंची, दो दिन तक विधानसभा वार प्रत्याशियों के नामों पर करेगी मंथन



देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी प्रदेश पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कमेटी की चेयरपर्सन दीपा दास मुंशी और सदस्यों अनिल चौधरी व पाल भाई अंबलिया का उत्तराखंड पहुंचने पर स्वागत किया।

स्क्रीनिंग कमेटी कांग्रेस भवन में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेगी। इस दौरान विधानसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा की जाएगी। कमेटी दो दिन तक लगातार बैठक कर प्रदेश की अलग-अलग विधानसभा सीटों के बारे में जानकारी जुटाएगी। बैठक में विधानसभा वार प्रत्याशियों की दावेदारी और संबंधित क्षेत्रों में उनकी स्थिति को लेकर पार्टी पदाधिकारियों से चर्चा की जाएगी। इसके आधार पर संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार किया जाएगा।

अब मैदान से लेकर पहाड़ तक कोहरा बढ़ाएगा सूखी ठंड



देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदलने के साथ सूखी ठंड का असर बढ़ने लगा है। मैदान से लेकर पहाड़ी क्षेत्रों तक कोहरे की दस्तक ठंड को और बढ़ाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से पर्वतीय जिलों के साथ हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में कोहरा छाने की संभावना जताई है। इससे सुबह और रात के समय ठंड का असर अधिक महसूस हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 29 नवंबर से दो दिसंबर तक मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। मौसम शुष्क रहने के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव के बीच सूखी ठंड का प्रभाव बना रहेगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

हार का सिलसिला खत्म.... चर्चिल ब्रदर्स एससी की रोमांचक जीत

पुणे, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 के 35वें मुकाबले में, चर्चिल ब्रदर्स एससी ने इंटर काशी को 1-0 से हराकर अपनी लगातार चार हार के सिलसिले को खत्म किया। एक कड़े मुकाबले में सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी ट्रिजॉय डायस (53वें मिनट) ने विजयी गोल दागा। इस जीत के साथ 'रेड मशीन्स' ने मौजूदा सीजन में अपनी पहली 'अवे' (घर से बाहर) जीत दर्ज की। 'रेड मशीन्स' 6 मैचों में 6 अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि इंटर काशी 1 अंक के साथ सबसे निचले पायदान पर बनी हुई है। शुक्रवार को पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मैच के पहले हाफ में चर्चिल ब्रदर्स के पास गेंद पर ज्यादा नियंत्रण (पजेशन) रहा, लेकिन वे मौके बनाने में संघर्ष करते दिखे। वहीं, इंटर काशी के खेल में भी आक्रामक धार की कमी दिखी। मैच की शुरुआत में डिफेंडर जोसेफ ओकोरो ने कुछ अहम बचाव करते हुए आयुष छिक्कारा और थोई सिंह को गोल करने से रोका। यह मुकाबला



काफी तेज गति और शारीरिक जोर-आजमाइश वाला रहा। एक मौके पर बोगदान मैंडिच से टकराने के बाद वेन वाज को सिर में चोट लग गई, जिसके इलाज में काफी समय लगा।

हाफ-टाइम के करीब खिलाड़ियों के बीच तनाव भी देखने को मिला, जब जितेंद्र सिंह और सेबेस्टियन गुटिरेज के बीच तीखी बहस हो गई। दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद दोनों टीमों ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया। अनिल रामा गांवकर ने एक जोरदार शॉट के जरिए इंटर काशी के गोलकीपर एल्बिनो गोम्स की परीक्षा ली, और कुछ ही देर बाद चर्चिल ब्रदर्स को सफलता मिल गई। गांवकर ने अपने हाफ में गेंद हासिल की और एक डायगोनल पास के जरिए ड्रामेन सालू को गेंद पहुंचाई। मिडफील्डर सालू ने गेंद को गुटिरेज की तरफ बढ़ाया, जिन्होंने बाईं ओर खड़े ट्रिजॉय को एक बेहतरीन 'थ्रू बॉल' दी। ट्रिजॉय ने एक लो-शॉट (जमीन के करीब से शॉट) लगाकर गोल किया और अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

फुटबॉल

गोलकीपर इंगवार जोनसन का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। आइसलैंड के पूर्व गोलकीपर इंगवार जोनसन का 37 साल की उम्र में निधन हो गया। वह 2016 यूरोपीय चैंपियनशिप में आइसलैंड की टीम का हिस्सा थे, जिसने प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। आइसलैंड फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर इंगवार जोनसन का 37 साल की उम्र में निधन हो गया। वह 2016 में हुए यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2016) में आइसलैंड की टीम का हिस्सा थे। इसी टूर्नामेंट में आइसलैंड ने प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जोनसन के निधन की जानकारी उनके पूर्व क्लब विकिंगुर ने दी।



WWE को लगा बड़ा झटका.... 38 साल के ब्रॉनसन रीड का निधन



नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट यानी डब्ल्यूडब्ल्यूई की दुनिया से एक दुखद खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई रेसलर ब्रॉनसन रीड का 38 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनका असली नाम जर्मेन हेली था। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने शनिवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक, रीड का निधन मेडिकल कॉम्प्लिकेशंस के कारण हुआ। वह कुछ सप्ताह पहले ही क्राउन ज्वेल इवेंट में नजर आए थे। इस दौरान उन्हें गंभीर चोटें लगी थीं। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने अपने बयान में कहा, 'हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई फैंस के बीच ब्रॉनसन रीड के नाम से पहचाने जाने वाले जर्मेन हेली का आज निधन हो गया।' कंपनी ने उन्हें बड़े व्यक्तित्व वाला इंसान, शानदार व्यक्ति, समर्पित पारिवारिक सदस्य और अपने साथियों का चहेता बताया।

क्राउन ज्वेल में चोटिल हुए थे ब्रॉनसन रीड

रीड का निधन क्राउन ज्वेल इवेंट के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। सात नवंबर को सऊदी अरब में हुए इस इवेंट में वह किसी मुकाबले का हिस्सा नहीं थे, लेकिन टैग टीम चैंपियनशिप मैच के दौरान रिंग के बाहर अपने साथियों के साथ वह दिखे थे। यह मुकाबला द विजन के ब्रॉन ब्रेकर और ऑस्टिन थ्योरी और पेंटा और जे'वॉन इवांस के बीच था। रीड ने अपने साथियों की मदद करने की कोशिश की, लेकिन ओबा फेमी ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद फेमी ने रीड को स्टेज से नीचे प्रोडक्शन उपकरणों वाले हिस्से की ओर पटक दिया।इस घटना के बाद रीड को गंभीर चोटें आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी पसलियां टूट गई थीं और किडनी में भी चोट लगी थी। उन्हें इलाज के लिए सऊदी अरब में रुकना पड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डब्ल्यूडब्ल्यूई के मेडिकल स्टाफ के सदस्य भी उनकी देखभाल के लिए वहां मौजूद थे। हालांकि, डब्ल्यूडब्ल्यूई ने अपने आधिकारिक बयान में रीड की मौत को क्राउन ज्वेल में लगी चोटों से नहीं जोड़ा है। कंपनी ने मेडिकल कॉम्प्लिकेशंस को ही निधन की वजह बताया है।

चोट से उबरकर की थी डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी

ब्रॉनसन रीड इस साल फरवरी से सितंबर तक रिंग से दूर रहे थे। उन्हें बाइसेप्स में चोट लगी थी, जिसके कारण वह कई महीनों तक मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सके। इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम किया और सितंबर में वापसी की। उनकी वापसी को करियर का नया अध्याय माना जा रहा था। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई की स्टोरीलाइन में सक्रिय थे और द विजन का हिस्सा बनकर नजर आ रहे थे। क्राउन ज्वेल में चोटिल होने से पहले वह लगातार मुकाबलों और शो का हिस्सा बन रहे थे। 38 साल की उम्र में उनका निधन रेसलिंग जगत के लिए बड़ा झटका है। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें सिर्फ एक शानदार रेसलर ही नहीं, बल्कि एक अच्छे इंसान और समर्पित पारिवारिक सदस्य के रूप में भी याद किया।

हॉकी इंडिया के चुनाव का रास्ता साफ

5 दिसंबर को होगा मतदान, सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा हाईकोर्ट के आदेश किए रद्द



नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया का बहुप्रतीक्षित चुनाव अब 5 दिसंबर को ही होगा। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को चुनाव प्रक्रिया पर लगी रोक हटाते हुए ओडिशा हाईकोर्ट के 6 और 18 नवंबर के दोनों आदेशों को रद्द कर दिया। इसके साथ ही देश में हॉकी के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाली संस्था के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्लि की पीठ ने हॉकी इंडिया की ओर से हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को जारी किए गए दोनों कारण बताओ नोटिस भी वापस ले लिए। इन नोटिस के जरिए ओडिशा की संस्था को स्थायी सदस्य से सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि खिलाड़ियों के हितों को किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होने दिया जा सकता। खिलाड़ी मैदान पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में चुनावी विवाद के कारण उनके भविष्य और देश के हितों को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

पूर्व जज एके सीकरी की अध्यक्षता में बनेगी कमेटी

सुप्रीम कोर्ट ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की शिकायतों के समाधान के लिए पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस एके सीकरी की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि ओडिशा की संस्था की ओर से ओडिशा हाईकोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं का निपटारा किया जाएगा। इसके बावजूद यदि कोई शिकायत या आपत्ति बाकी रहती है तो उसका समाधान यह कमेटी करेगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने हॉकी इंडिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को स्पष्ट किया कि कारण बताओ नोटिस वापस लेने होंगे और मुकदमेबाजी को चुनाव के रास्ते में नहीं आने दिया जाएगा।

टीम इंडिया के लिए खराब रहा दूसरा दिन

क्राइस्टचर्च में संकट में टीम इंडिया... खराब फील्डिंग के बाद बल्लेबाजी भी हुई पस्त

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 116 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रन पर समाप्त हुई थी। इस लिहाज से भारत 240 रन पीछे है। फिलहाल ध्रुव जुरेल सात रन बनाकर नाबाद हैं। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने भारत के शीर्ष क्रम और मध्य क्रम को झकझोर कर रख दिया। टीम इंडिया नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। वॉशिंगटन सुंदर (10) के रूप में भारत को छठा झटका लगा और इसी के साथ अंपायर ने दिन के खेल को खत्म करने की घोषणा की।

भारत के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा। पहले भारतीय फील्डर्स ने आकाश दीप की गेंद पर कुछ आसान कैच छोड़े। हालांकि, आकाश दीप ने पांच विकेट जरूर झटके। इसके अलावा कुछ रन आउट के मौके भी गंवाए गए और गेंद के किनारे लेकर कुछ शॉट फील्डरों के सामने गिर गए। इन गलतियों के कारण भारत ने कम से कम 50 अतिरिक्त रन दिए। इसके बाद रही सही कसर भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी कर दी। अब भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है। न्यूजीलैंड के सभी तेज गेंदबाजों ने विकेट लिए हैं और उनकी नजर पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल करने पर होगी। अब देखना होगा कि कल मुकाबले में क्या होता है।

भारत की पहली पारी

भारत को पारी के पहले ही ओवर में शून्य पर पहला झटका लगा। मैट हेनरी ने यशस्वी जायसवाल को क्लीन बोल्ड किया। यशस्वी खाता नहीं खोल सके। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने केएल राहुल के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को काइल जेमीसन ने तोड़ा। उन्होंने पडिक्कल को विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच कराया। पडिक्कल 20 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बना सके।जेमीसन ने इसके बाद कप्तान शुभमन गिल को टॉम लाथम के हाथों कैच कराया। गिल 29 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। गिल और राहुल के बीच 26 रन की साझेदारी हुई। फिर ऋषभ पंत ने मैदान पर आक्रामक शॉट्स लगाए, लेकिन बड़े शॉट के चक्कर में वह एक बार फिर विकेट गंवा बैठे। पंत ने 39 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। पंत और राहुल के बीच 37 रन की साझेदारी हुई। उन्हें जैकब डफी ने जेमीसन के हाथों कैच कराया।इसके बाद डफी ने केएल राहुल कॉनवे के हाथों कैच कराया। राहुल 80 गेंद में तीन चौके की मदद से 25 रन बना सके। इसके बाद से सुंदर और जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की। दोनों ने भले ही 12 रन जोड़े लेकिन इसके लिए 91 गेंदें खेलीं। हालांकि, नाथन स्मिथ ने सुंदर को लाथम के हाथों कैच कराया और पवेलियन भेजा। सुंदर 10 रन बना सके। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए यह टेस्ट जीतना बहुत जरूरी है। हार या ड्रॉ रहने पर भारत फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो जाएगा। साथ ही गिल एंड कंपनी को यह भी ध्यान रखना है कि भारत को चौथी पारी में बल्लेबाजी करनी है।

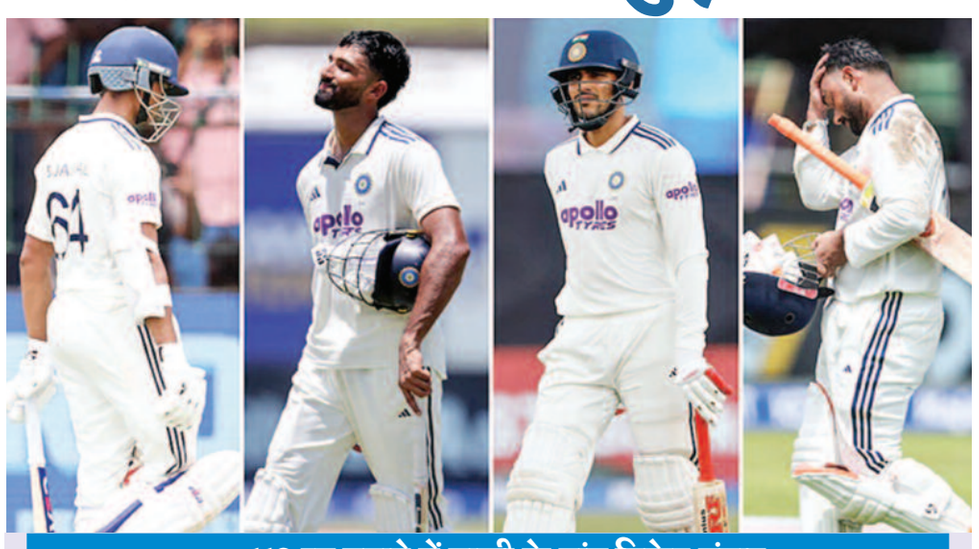

110 रन बनाने में बाकी के पांच विकेट गंवाए

दूसरे सत्र में आकाश दीप की गेंद पर गुरनूर बराड़ ने हेनरी का आसान कैच छोड़ा। इसके बाद 346 के स्कोर पर न्यूजीलैंड को नौवां झटका लगा। भले ही आकाश दीप की गेंद पर भारतीय फील्डर्स ने कैच छोड़े, लेकिन उन्होंने गुरनूर की गेंद पर टॉम ब्लंडेल का कैच लपक लिया। इसके साथ ही ब्लंडेल की 211 गेंद में 89 रन की जुझारू पारी का अंत हुआ। वह शतक से 11 रन दूर रह गए। उनकी पारी में 10 चौके शामिल रहे। इसके बाद आकाश दीप ने मैट हेनरी को आउट कर पारी को समेट दिया। हेनरी 25 गेंद में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आज न्यूजीलैंड ने 110 रन बनाने में अपने बाकी के पांच विकेट गंवा दिए। भारत की ओर से आकाश दीप के अलावा अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड के नाम दूसरा दिन

शनिवार यानी दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 246 रन से आगे खेलना शुरू किया। आज के दूसरे ही ओवर में अंशुल कंबोज ने ग्लेन फिलिप्स को आउट कर झटका दिया। फिलिप्स 67 गेंद में पांच चौके की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने ब्लंडेल के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद ब्लंडेल ने नाथन स्मिथ के साथ सातवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को आकाश दीप ने तोड़ा। आकाश ने स्मिथ का कैच अपनी ही गेंद पर लपका। वह 45 गेंद में चार चौके की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद काइल जेमीसन ने ब्लंडेल के साथ 33 रन की साझेदारी निभाई। आकाश ने फिर जेमीसन को यशस्वी के हाथों कैच कराया। जेमीसन ने 19 रन बनाए।

न्यूजीलैंड बनाम ऑस्ट्रेलियाई

नाथन और लाबुशेन को टीम में मौका नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड से 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार (28 नवंबर) को टीम का ऐलान कर दिया। दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन और मार्नस लाबुशेन को बाहर कर दिया गया है। जैक क्लेटन और कोरी रोकिचिओली को 13 सदस्यीय टीम में पहली बार टेस्ट के लिए चुना गया है। क्वींसलैंड के बल्लेबाज क्लेटन को शेफील्ड शील्ड में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का इनाम मिला है, जबकि वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर रोकिचिओली को घरेलू क्रिकेट और ऑस्ट्रेलिया ए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की बदौलत पैट कमिंस की कप्तानी वाली इस टीम में जगह मिली है। 27 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज क्लेटन ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 40.17 के औसत से 2732 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और 16 अर्धशतक शामिल हैं। शेफील्ड शील्ड के मौजूदा सीजन में, उन्होंने नौ पारियों में 74.83 की औसत से 449 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।



अंतरराष्ट्रीय संबद्धता पर पड़ सकता था असर

हॉकी इंडिया की ओर से पेश मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि यदि निर्धारित तारीख पर चुनाव नहीं होते हैं तो अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के साथ संस्था की संबद्धता पर असर पड़ सकता है। इस पर पीठ ने कहा कि हॉकी देश का राष्ट्रीय खेल है और इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल हैं। अदालत किसी भी ऐसी स्थिति की अनुमति नहीं देगी, जिससे चुनाव प्रक्रिया बाधित हो या खिलाड़ियों के हित प्रभावित हों। पीठ ने कहा कि चुनाव समय पर होना जरूरी है, क्योंकि इसमें देरी से देश की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और हॉकी से जुड़े हितों पर असर पड़ सकता है।

अध्यक्ष और महासचिव के बीच विवाद से अटकी थी चुनाव प्रक्रिया

हॉकी इंडिया में पिछले कुछ समय से अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोला नाथ सिंह के बीच प्रशासनिक फैसलों, कार्यप्रणाली और कार्यकारी समिति की बैठकों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी खींचतान के चलते चुनाव प्रक्रिया भी कानूनी विवाद में उलझ गई थी। विवाद उस समय और बढ़ गया जब अगस्त में एफआईएच विश्व कप से पहले भारतीय टीमों की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर भगवा कर दिया गया था। दिलीप टिर्की ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह निर्णय उनकी जानकारी और कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी के बिना लिया गया। वहीं, भोला नाथ सिंह का कहना था कि अध्यक्ष को इस फैसले की जानकारी थी और निर्धारित प्रक्रिया के तहत मंजूरी ली गई थी। इसके बाद 6 अक्टूबर को हुई हॉकी इंडिया की 120वीं कार्यकारी समिति की बैठक को लेकर भी विवाद सामने आया। टिर्की ने आरोप लगाया था कि महासचिव ने अध्यक्ष की पूर्व अनुमति और परामर्श के बिना बैठक बुलाई थी। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी इंडिया की 120वीं कार्यकारी समिति की बैठक के मिनट्स और 7 अक्टूबर को जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी थी। ओडिशा एसोसिएशन का तर्क था कि हॉकी इंडिया की मौजूदा कार्यकारी समिति का कार्यकाल 30 सितंबर को ही समाप्त हो चुका था। ऐसे में उसके द्वारा जारी किया गया कारण बताओ नोटिस कानूनी रूप से उचित नहीं था।